छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष - 05 अंक - 59 बैकुंठपुर, गुरूवार 28 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

रात्रि गश्त में सक्रिय जशपुर पुलिस ने चोरों को दबोचा, चोरी के दो बड़े मामले का हुआ खुलासा

चंदन और मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। जशपुर पुलिस ने प्रभावी रात्रि गश्त अभियान के दौरान दो अलग-अलग मामलों में चोरों को गिरफ्तार किया है। एक मामले में, आराम निवास जशपुर के बागान से चंदन के पेड़ काटकर चोरी करने वाले तीन अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से चोरी का चंदन लकड़ी और आरी बरामद की गई है। दूसरी घटना में, तपकरा पुलिस ने दो आरोपियों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया।

पहले मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी राजेन्द्र ताम्रकार निवासी सन्ना रोड जषपुर ने दिनांक 26.11.2024 को थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह विक्रमादित्य सिंह का निज सचिव है एवं आराम निवास का देख-रेख करने का कार्य करता है। दिनांक 21.11.2024 की रात्रि में आराम निवास के सामने निजी बागान के अंदर मौजूद 03 नग चंदन पेड़ को अज्ञात आरोपियों ने चोरी कर लिया। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना जशपुर में भा.न्या.सं. की धारा 303(2) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा रात्रि गष्त को प्रभावी कर उक्त प्रकरण के आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी जशपुर रविशंकर तिवारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित किया गया था। टीम द्वारा आराम निवास के आसपास एवं क्षेत्र में डेरा डालकर घूम रहे फेरीवालों पर लगातार निगरानी बनाये रखा गया था, इसी दौरान दिनांक 24.11.2024 की रात्रि में संदिग्ध व्यक्ति लिखाड़िया उर्फ पिंटू के भागलपुर क्षेत्र में घूमते पाये जाने पर उससे पूछताछ करने पर संदेह होने पर उसे अभिरक्षा में लिया गया, पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने साथीगण नीवर एवं कर बाबू के साथ के साथ मिलकर उक्त दिनांक को आराम निवास बागान से चंदन लकड़ी चोरी करना स्वीकार किया। नीवर एवं कर बाबू के लोरो दोफा के नीचे टेंट लगाकर फेरीवाले के रूप में मौजूद रहने की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा लोरो दोफा में जाकर दबिश दिया गया, दबिश देने के दौरान वे दोनों पुलिस को देखकर जंगल की ओर भागने लगे, इन दोनों को दौड़ाकर पुलिस द्वारा अभिरक्षा में लिया गया। आरोपियों के संयुक्त मेमोरंडम कथन से विभिन्न चंदन लकड़ी का टुकड़ा कीमती लगभग 50 हजार रू. एवं लकड़ी आरी इत्यादि जप्त किया गया है। उक्त सभी आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर दिनांक 27.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक रविषंकर तिवारी, स.उ.नि. विपिन किषोर केरकेट्टा, स.उ.नि. मनोज सिंह, आर. 350 हेमंत कुजूर, आर. शोभनाथ सिंह, आर. 378 विनोद तिर्की, सै. थानेष्वर देषमुख का योगदान रहा है। दुसते मामले में थाना तपकरा वाले मोटर सायकल चोरी के प्रकरण में दिनांक 25.11.2024 को प्रार्थी विशाल सोनी उम्र 24 वर्ष निवासी तपकरा जिला जशपुर छ.ग. ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी दिनांक 20.11.2024 को रात्रि करीब 11.30 बजे तपकरा गांव के कुकुरडूबा में आयोजित मेला देखने अपने मोटर सायकल बजाज सी.टी. 100 क्रमांक छ्त्त 14 रूक्त 0969 से गया था, जिसे मेला के बाहर जहाँ सभी मोटर सायकल व अन्य गाडियों खड़ी थी वहीं पर अपना मोटर सायकल को खड़ा कर मेला देखने गया था जो मेला देखने के बाद करीब एक घंटा बाद जब आकर देखा तो इसका मोटर सायकल वहाँ नहीं था जिसे आसपास पतासाजी किये किन्तु मोटर सायकल का कहीं पता नहीं चला जो काफी खोजबीन करने के बाद भी नहीं मिलने पर प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर का कायम कर विवेचना में लिया गया था।

विवेचना दौरान दिनांक 25-26.11.2024 के रात्रि गश्त में आरोपी इलियस बडा को संदिग्ध स्थिति में एच एफ डिलक्स मोटर सायकल से तपकरा में घुमते मिला जिसे थाना लाकर कडाई से पूछताछ करने पर दिनांक 20.11.2024 को अपने साथी प्रेमानंद चैहान उर्फ मुनू निवासी रेगारडीपा के साथ मिलकर तपकरा मेला से उक्त एच एफ डिलक्स छ्त्त को एवं प्रकरण के प्रार्थी के बजाज सीटी 100 एमएस क0 छ्त्त 14 रूक्त0969 को चोरी करना बताने पर आरोपी इलियस बडा के कब्जे से चोरी गये एच एफ डिलक्स को जप्त किया गया है, एवं आरोपी इलियस बडा के बतायेनुसार उसके निःशादेही पर आरोपी प्रेमानंद चैहान उर्फ मुनु के घर से प्रकरण में चोरी गये मोटर सायकल बजाज सीटी 100 एमएस को जप्त किया गया है। आरोपी इलियस बडा उम्र 32 वर्ष निवासी सुबलया नवरंगपुर थाना सदर बनपाली जिला सुन्दरगढ़ (उडिसा) एवं प्रेमानंद चैहान उम्र 32 वर्ष सा0 रेंगारमुडा थाना तपकरा जिला जशपुर (छ.ग.) के विरूद्ध अपराध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से दिनांक 26.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना एवं अरोपियों की गिर0 में थाना प्रभारी उप निरी खोमराज ठाकुर, प्र.आर. 385 अजय लकडा, प्र.आर. 468 रिझन राम भगत, प्र.आर. 115 राजेन्द्र साय, आर. 392 अमित कुमार त्रिपाठी, आर0 583 शिवशंकर राम, आर0 581 धिरेन्द्र मधुकर की भूमिका सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि जशपुर पुलिस द्वारा रात्रि गष्त को अत्यंत प्रभावी बनाया गया है, उसी का परिणाम है कि उपरोक्त चोरी के आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।

आयुष्मान वय वंदना: कार्ड से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत 5 लाख तक निःशुल्क इलाज किए जाने का प्रावधान है। जिले के 44 स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रविष्णुदेव साय के मंशानुरूप योजना के तहत जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों को योजना का लाभ दिया जाना है। पात्रता का आधार हितग्राही की आयु ही मात्र होगी, जिसे आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापित किया जायेगा। जिसमें आयुष्मान भारत में सम्मिलित अर्थात् राशन कार्ड में सूचीबद्ध एवं अन्य समस्त 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक पात्र होंगे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के समस्त वरिष्ठ नागरिकों से अपील किया गया है कि अपना आयुष्मान वय वंदना कार्ड नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में बनवा लेवें। कार्ड बनाने हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड साथ लेकर आवें।

आयुष्मान वयं वंदना कार्ड बनाने के लिए जिले के 11 चिकित्सालयों का चिन्हांकन किया गया है। इनमें जिला चिकित्सालय जशपुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पैकु, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आस्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र घाघरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कस्तुरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रनपुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुजारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बगिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दोकड़ा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भेलवा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तपकरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोल्हेनझरिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतबा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बागबहार, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तमता, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरंगपानी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बगीचा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सन्ना, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छिछली, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुलेसा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पडरापाठ, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोदाम, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र घोलेंग, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनोरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनक्यारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुलदुला, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुनकुरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरायणपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कांसाबेल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटाईकेला, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फरसाबहार, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भगोरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र केरसई, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पत्थलगांव, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लुड़ेग, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शेखरपुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरंगपानी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किलकिला, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरोंग, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झिक्की, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चम्पा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मैनी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कलिया शामिल हैं।

जिले में अब तक 23914.80 क्विंटल हुई धान की खरीदी

छ.ग.फ्रंटलाइन. जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 मे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जिले में निरंतर जारी है और अब जिले के उपार्जन केन्द्रों में धान की आवक लगातार बढ़ने लगी है। जिले में अब तक 23914.80 क्विंटल धान की खरीदी हुई है।

कुनकुरी विकासखण्ड के सेन्द्रीमुण्डा निवासी कृषक श्री गणेश यादव अपना धान बेचने धान उपार्जन केन्द्र नारायणपुर पहुचे। उन्होंने बताया कि नारायणपुर मंडी में व्यवस्था बहुत अच्छा है इससे देख कर मुझे खुशी हुई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ शासन ने वादा किया था उसी प्रकार धान खरीदी हो रही है और आज खरीदी केन्द्र में मुझे स्वागत कर मिठाई खिलाकर धान बेचने में सहयोग किया गया। किसान श्री यादव ने केन्द्र में सुन्दर व्यवस्था के लिए छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद दिया है।

परिवार नियोजन की जनजागरुकता के लिए कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर सारथी वाहन को किया रवाना

आदर्श आचार संहिता दौरान जिले में प्रभावी नाकाबंदी कर चुस्त पुलिसिंग का आभास करा रही पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम में पुरुषों की सहभागिता बढ़ाने हेतु पुरुष नसबंदी पखवाड़ा चार दिसंबर 2024 तक मनाया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के जन जागरूकता एवं ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में प्रचार- प्रसार हेतु सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि यह वाहन हाट-बाजार, बस स्टैंड, चौक-चौराहे, ग्राम पंचायत, धान खरीदी केंद्र आदि स्थानों पर परिवार नियोजन कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करेगा एवं पुरुष नसबंदी पखवाड़े के दौरान जिला चिकित्सालय, बैकुंठपुर में परिवार नियोजन की समस्त सेवाएं प्रदान की जाएंगी। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा 2024 की थीम हैं- श्आज ही शुरूआत करें, पति पत्नी मिलकर परिवार नियोजन की बात करेंश। उन्होंने बताया इसके माध्यम से परिवार नियोजन के स्थायी साधन (महिला और पुरुष नसबंदी) और अस्थायी साधन (अंतरा, छाया, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी, कंडोम आदि गर्भनिरोधक साधन) के बारे में समुदाय को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला एवं पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा पुरूष नसबंदी कराने के लिए लक्ष्य दिए गए हैं। इसके अलावा एएनएम, मितानिन के द्वारा भी नसबंदी सम्बंधी जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल व अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का वादा कर मुकर रही भाजपा सरकार: अशोक श्रीवास्तव

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने व 3100 रुपए एक मुश्त की मांग को लेकर कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले में धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है परंतु धान खरीदी केंद्रों में अनेक तरीके की अव्यवस्थाएं व्याप्त हैं जिसको लेकर एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में बुधवार को कांग्रेसजन व किसानों ने एमसीबी कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि भाजपा सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी करने का वादा किया था साथ ही धान खरीदी का एकमुश्त 3100 रुपए देने का भी वादा किया था। परंतु वर्तमान में भाजपा सरकार अपने वादे से मुकर रही है। वर्तमान में सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी नहीं कर रही है और न ही धान खरीदी का एकमुश्त 3100 रुपए दे रही है। धान खरीदी केंद्रों में पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं है। पर्याप्त मात्रा में वारदाना की व्यवस्था नहीं है साथ ही पंजीयन में लेट लतीफी और देरी हो रही है जिससे जिले भर के किसान अपने आप को काफी परेशान प्रताड़ित एवं ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल झूठे वादे कर किसानों को ठगने का काम किया है। आज किसान परेशान है तो भाजपा का कोई एक नेता उनके पक्ष में बोलने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा केवल वोट बैंक की तरह किसानों का इस्तेमाल करती है। कांग्रेस ने ज्ञापन सौंप कर कलेक्टर से मांग किया है कि जिले के समस्त धान खरीदी केंद्रों में जल्द से जल्द प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की व्यवस्थाएं कराई जाए साथ ही किसानों को एकमुश्त 3100 रुपये मिले एवं धान खरीदी केंद्रों में वारदाना सहित अन्य व्यवस्था दुरुस्त की जाये। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष राजेश शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी के कार्यकारी अध्यक्ष बलदेव दास, जिला महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष राखी सिंह, जिला महिला कांग्रेस की ग्रामीण अध्यक्ष निर्मला चतुर्वेदी, वरिष्ठ कांग्रेसी साहिद महमूद, विष्णु दास, गिरधर जायसवाल सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन व किसान उपस्थित रहे।

कांग्रेस करेगी एसडीएम कार्यालय का घेराव

एमसीबी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि भाजपा सरकार अपने वादे से पीछे हटकर किसानों को ठगने का काम करेगी तो किसानों के साथ वादाखिलाफी करने वाली भाजपा सरकार के विरोध में कांग्रेस पार्टी जिले भर के किसानों के साथ मिलकर 2 दिसम्बर को एसडीएम कार्यालय मनेंद्रगढ़ का सुबह 11 बजे घेराव करेगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा केराबहरा के ग्लूकोमा मरीजों का किया जा रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत केराबहरा में एक ही परिवार के कई लोग वंशानुगत रूप से आंख की बीमारी ग्लूकोमा से ग्रसित है। उनके पुत्र एवं पुत्री या तीसरे पीढ़ी के लोगों में भी 18 वर्ष की आयु होते ही बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगता है। जिसका परीक्षण समय-समय पर विभाग द्वारा किया गया व उच्च संस्थाओं ने ऑपरेशन भी कराया गया है। 1995 से लेकर 2022 तक कई लोगों का ऑपरेशन रायपुर, अंबिकापुर,बिलासपुर, चित्रकूट में हुआ है। अविभाजित कोरिया जिले के डॉ. आर.एस. सेंगर द्वारा 26 अप्रैल 2018 को केराबहरा जाकर 17 लोगों का परीक्षण किया गया। 07 जून 2021 को मेडिकल कॉलेज बिलासपुर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. मनोज सिंह, डॉ. आर.एस. सेंगर व टीम द्वारा 29 लोगों का परीक्षण करके उपचार योग्य चयनित 06 लोगों का उपचार हेतु बिलासपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया व श्री संतोष का उपचार गणेश विनायक नेत्र चिकित्सालय रायपुर में 09 जून 2021 को हुआ। 30 अक्टूबर 2024 डॉ. जयन्त एक्का नेत्र विशेषज्ञ केन्द्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ द्वारा 20 लोगों का परीक्षण किया गया। प्रतिवेदन में 1 मरीज को तत्काल उपचार की आवश्यकता है। आंख का प्रेशर बढ़ा हुआ है व रेटिना डेमेज हो रहा है। शेष अन्य 5 मरीज को नियमित परीक्षण व उपचार की आवश्यकता है।

वर्तमान में ग्लूकोमा के लक्षण नहीं है। 04 नवंबर 2024 एवं 19 नवंबर 2024 को भी नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 4 लोगों का चश्मे की जांच की गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शीघ्र ही ऑपरेशन हो चुके मरीज व जिनका उपचार जारी है उसको निःशुल्क दवाई उपलब्ध कराया जा रहा एवं उपचार हेतु उच्च संस्थाओं से चर्चा कर समुचित उपचार के लिए कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। नेत्र चिकित्सक, नेत्र सहायक अधिकारी के द्वारा प्रत्येक माह केराबहरा के मरीजों का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार समुचित उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग केराबहरा के मरीजों के उपचार के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

जशपुर नगरीय क्षेत्र में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जशपुरनगर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आज पूरे भारत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की। इसका मुख्य उद्देश्य बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक और शिक्षित करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन मे जशपुर नगरीय क्षेत्र में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत जय हो कार्यक्रम से जुड़े स्वयं सेवको द्वारा शहर में रैली निकालकर बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। स्वयंसेवक बाल विवाह मुक्त अभियान का पोस्टर, बैनर लिए और नारा लगाते हुए शहर के विभिन्न चौक चौराहों, गली-मोहल्लों, हॉट-बाजारों से होकर गुजरते हुए जागरूकता का संदेश दे रहे थे।

भरतपुर के ग्राम कैसोड़ा एवं ग्राम रूसनी में 2000 बोरी अवैध धान जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। विगत 19 नवम्बर 2024 को भरतपुर में एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के निर्देश पर तहसीलदार और खाद्य निरीक्षक की संयुक्त टीम ने ग्राम भगवानपुर स्थित अंकुर सिंह के गोदाम से 2000 बोरी धान जप्त की। प्रारंभ में बताया गया कि यह धान पिछले वर्ष की खेती की विक्रय के बाद की अतिशेष मात्रा है, लेकिन इसका विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि यह धान नया है। जांच के दौरान पता चला कि यह धान मध्य प्रदेश से अवैध रूप से लाया गया था। आगे पूछताछ में यह सामने आया कि व्यापारी अंकुर सिंह ने ग्राम पंचायत कैसोड़ा और ग्राम रुसनी के किसानों से धान खरीदी थी। इन किसानों को कमीशन का वादा किया गया था, लेकिन न तो उन्हें कमीशन दिया गया और न ही उनके बैंक खाते, पासबुक और एटीएम कार्ड लौटाए गए। इसके अलावा, यह धान अवैध रूप से इन किसानों के पंजीकरण का उपयोग करके बेचने की कोशिश की जा रही थी।

संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

जशपुरनगर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सन्ना में 26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती काजल राय संरक्षक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सन्ना के द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के सामने दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य बी.के.गुप्ता, सुश्री नेहा जुनेजा, श्रीमती अरपा फातमा, सुश्री स्नेहा बसाक, श्रीमती स्नेहलता व अन्य थे।

70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का नवीन आयुष्मान कार्ड

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य योजना के तहत जिले के 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को केवाईसी कराकर नवीन आयुष्मान कार्ड बनवाना है। नवीन केवाईसी नहीं कराने पर राशन कार्ड डाटा अनुसार पुरानी लिमिट में पंजीकृत शासकीय एवं निजी चिकित्सालय में उपचार की सुविधा ले पाएंगे। जिसके तहत बीपीएल कार्ड पर प्रति परिवार प्रति वर्ष 05 लाख एवं एपीएल होने पर प्रति परिवार प्रति वर्ष 50 हजार की ही पात्रता होगी।

उन्होंने कहा कि केवाईसी कराने पर प्रति बुजुर्ग का स्वयं का ही आयुष्मान कार्ड जनरेट होगा इस कार्ड से वे किसी भी सरकारी एवं पंजीकृत निजी अस्पतालों में 05 लाख रुपये तक स्वयं का इलाज करा सकेंगे। कलेक्टर से प्राप्त निर्देशानुसार राशन कार्ड डाटा अनुसार जिले में 70 प्लस आयु वर्ग वाले कुल 26718 लोग हैं इनमें अधिकतर बुजुर्ग का नाम परिवार के पास मौजूद राशन कार्डों में दर्ज है, अब तक उन्हें उनके परिवार को जारी राशन कार्ड के प्रकार अनुसार इलाज की सुविधा मिलती रही है। अब नई स्कीम के आधार पर केवाईसी कराना होगा, जिससे नया आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।

हितग्राही अपने-अपने नजदीकी चॉइस सेंटरों में अपना आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर ले जाकर केवाईसी का कार्य पूर्ण करा सकते हैं।

कलेक्टर ने अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट, न्यायालयों और प्रशासनिक शाखाओं का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा ने जिले की सीमा रामानुजगंज स्थित अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट और प्रशासनिक न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेक पोस्ट पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सघन जांच सुनिश्चित करने और न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट का दौरा कर सीमा पर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित चेक पोस्टों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चेक पोस्ट से गुजरने वाले वाहनों की सघन जांच करने, उनके नाम, नंबर, चालक का विवरण, और लोड सामग्री को पंजी में दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संधारित पंजियो का अवलोकन किया और जांच प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि सभी चेक पोस्टों को मिलाकर एक संयुक्त जांच दल का गठन किया जाए, जिससे वाहनों की जांच प्रक्रिया सुचारू रूप से हो सके और अनावश्यक जाम की स्थिति से बचा जा सके। इसके लिए उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को जल्द से जल्द कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, कलेक्टर ने चेक पोस्ट पर निगरानी के लिए लगाए गए सुरक्षा कैमरों का भी निरीक्षण किया और उनकी प्रभावी कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैमरों का उपयोग न केवल सुरक्षा बढ़ाने के लिए किया जाए, बल्कि जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने में भी इसका उपयोग हो।

न्यायालयों का निरीक्षण और लंबित प्रकरणों की समीक्षा

कलेक्टर श्री कटारा ने निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय और नायब तहसीलदार न्यायालय का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से वर्षों से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनके समयबद्ध निराकरण पर जोर दिया। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर प्राथमिकता देने और सभी प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों से संवाद किया और उन्हें यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी प्रकरणों की सुनवाई और निराकरण तय समय-सीमा में हो। उन्होंने निर्वाचन शाखा और रीडर शाखा का भी निरीक्षण किया और इन शाखाओं में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदनों की प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने यह निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाएं व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न हों, ताकि नागरिकों को अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े।

इस दौरान कलेक्टर ने संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों से बात कर व्यवस्था के संबंध में पूछा। कलेक्टर ने मोबाईल मेडिकल यूनिट में किये जाने वाले टेस्ट व मरीजों को दिये जाने वाली दवाईयों की जानकारी ली। उन्होंने रूट निर्धारण से संबंधित आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जिस स्थल पर गाड़ी पहुंचती है उसकी जानकारी लोगों में होनी चाहिए जिससे वे लाभ ले पाएंगे।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री देवेन्द्र प्रधान, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रावास, आश्रमों एवं आवासीय विद्यालयों में किया गया संविधान के प्रस्तावना का वाचन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संविधान दिवस के अवसर पर जिले में संचालित समस्त छात्रावास, आश्रमों, संस्थाओं, एकलव्य आदर्श एवं पहाड़ी कोरवा आवासीय विद्यालयों में संविधान के प्रस्तावना का वाचन किया गया तथा अमल करने का संकल्प भी लिया गया। साथ ही जागरूकता रैली निकालकर आमजनों को संविधान में वर्णित अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्र तातापानी का निरीक्षण कर किसानों से की चर्चा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 14 नवंबर से शुरू हो गया है, जिसके तहत जिले में भी 49 धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों से धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। किसानों की सहूलियत और खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा ने तातापानी धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उपार्जन केंद्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने धान विक्रय के लिए आए किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। किसानों ने धान खरीदी प्रक्रिया में हो रही सुविधाओं और समस्याओं के बारे में कलेक्टर को जानकारी दी।

धान की नमी और तौल की जांच

कलेक्टर ने खरीदी केंद्र पर नमी मापक यंत्र और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया कि किसानों द्वारा लाए गए धान की नमी का सही तरीके से परीक्षण किया जाए और किसी भी किसान को अनुचित कारणों से लौटाया न जाए। उन्होंने कहा कि नमी की जांच और धान की तौल में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र प्रभारी से धान खरीदी की अब तक की स्थिति, किसानों की संख्या, टोकन जारी करने की प्रक्रिया और खरीदे गए धान की मात्रा की जानकारी ली।उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की प्राथमिकता है।कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और रोजाना की गतिविधियों का रिकॉर्ड अपडेट किया जाए और अधिकारियों द्वारा इसकी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

विवाहिता की मौत मामले में पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करीब सवा माह पूर्व ग्राम पंचायत दतिमा के बड़कापारा निवासी विवाहिता रीना राजवाड़े की कुएं में डूबने से हुई मौत मामले में पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत मृतिका के पति के खिलाफ जुर्म दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार लिया है। करंजी पुलिस ने बताया कि गत दिनों 15 अक्टूबर को ग्राम पंचायत दतिमा के बड़कापारा निवासी नोहर साय राजवाड़े की 30 वर्षीय पत्नी रीना राजवाड़े की घर के समीप कुएं में पानी भरते समय डूब जाने से मौत हो गई थी। मामले में पति नोहर साय की सूचना पर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी। जांच में पानी में डूबने से मौत होना चिकित्सक द्वारा लेख किया गया है। मृतिका के पिता व भाई के पुलिस में दिए कथन में पाया गया कि मृतिका का पति पिछले एक वर्ष से उसे मायके नहीं जाने देता था और न ही उसे मोबाइल से मायके पक्ष के लोगों से बात ही करने देता था। मायके पक्ष के मोबाइल नंबरों को ब्लॉक कर दिया था। घटना दिवस को शाम छह बजे शराब पीकर विवाद करते हुए मारपीट कर मानसिक रूप से लगातार प्रताड़ित करने व उस पर शंका करने की बात भी जांच में सामने आई, जिससे प्रताड़ित होकर मृतिका ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर लिए जाने का तथ्य सामने आया है। पुलिस ने जांच उपरांत आरोपी पति पर विवाहिता को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का जुर्म दर्ज कर आरोपी पति नोहर साय पिता सूरज प्रसाद राजवाड़े 34 वर्ष को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश कर दिया है।

महतारी वंदन योजना से मिल रहा महिलाओं को आर्थिक संबल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महतारी वंदन योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरगामी सोंच का नतीजा है कि महिलाएं इस योजना का लाभ लेकर आर्थिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बन रही है। अब महिलाओं आर्थिक हो या सामाजिक विभिन्न क्रियाकलापों से जुड़ स्वयं निर्णय ले रही हैं और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो रही है।

बलरामपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत जाबर की निवासी श्रीमती रजमुनी देवी ने शासन की महतारी वंदन योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। इस के द्वारा महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने की दिशा में शासन की सार्थक पहल है। श्रीमती

रजमुनी बताती है कि हमारे परिवार की रोजी-रोटी का जरिया मजदूरी है। जिससे हमारे परिवार को आय कम प्राप्त होती है। जिस कारण परिवार का पालन पोषण करने में परेशानी होती थी। बच्चों को भी अच्छी शिक्षा नही मिल पा रही थी। पर मुख्यमंत्री की महतारी वंदन योजना से हर माह मेरे बैंक खाते में 1000 हजार रुपये आ जाते हैं, जिसका उपयोग छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में करती हूं। उन्होंने बताया योजना की 09 किश्त मुझे मिल गई है। उन्होंने इस योजना को जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल समय का सहारा बताया।

श्रीमती रजमुनी देवी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार की नीतियों की प्रशंसा करते हुए बताया कि उन्हें शासन की कई योजनाओं का लाभ मिल रहा है, इसकी खुशी रजमुनी के चेहरे पर साफ झलकती है। आगे वह बताती है कि उनके पति श्री अर्जुन पाल को प्रधानमंत्री आवास भी स्वीकृत हो गया है और जिला पंचायत की सीईओ उसके आवास के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुई। अपने आवास के भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला प्रशासन की पूरी टीम को पाकर प्रफुल्लित रजमुनी देवी फुले नही समा रही। वह कहती है कि मुझे शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है महतारी वन्दन योजना से प्रतिमाह 1000 रुपये मेरे खाते में आ जाती है और अब मेरे पति के नाम पक्का आवास स्वीकृत हो गया है साथ ही मुझे हर माह निशुल्क राशन भी प्राप्त हो रहा है। आगे वह बता रही है कि वह अपना पक्का आवास जल्द ही पूरा करेंगी और अपने परिवार के साथ खुशी से जीवन-यापन करेंगी। इन सभी योजनाओं के लिए रजमुनी देवी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया है।

कलेक्टर ने गोपू पाण्डेय के विरुद्ध की जिला बदर की कार्यवाही

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरबा श्री अजीत वसंत ने आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-3 एवं 5 के तहत गोपू पाण्डेय उर्फ प्रकाश पाण्डेय उम्र 27 वर्ष, पिता-स्व. राकेश पाण्डेय, साकिन ब्राम्हण पारा पुरानी बस्ती कोरबा को जिला बदर करते हुए आदेशित किया है कि वह 24 घंटे के अन्दर कोरबा तथा समीपवर्ती जिला बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, सरगुजा, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले क्षेत्र से 01 वर्ष की अवधि के लिए बाहर चले जाएं और जब तक यह आदेश लागू रहेगा, बिना वैधानिक पूर्वानुमति लिए कोरबा जिले एवं उक्त उल्लेखित जिलों की सीमा में प्रवेश न करें।

कोयलांचल में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम हुआ शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश भर के उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने की कवायद कुछ माह पहले शुरू की है। इसी क्रम में कोयलांचल में हाल के दिनों में उपभोक्ताओं के घरों व प्रतिष्ठानों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। छग राज्य विद्युत वितरण केंद्र उपसंभाग बिश्रामपुर के सहायक अभियंता प्रतीक बड़ा ने बताया कि बिश्रामपुर विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत करीब साढ़े बारह हजार विद्युत उपभोक्ता हैं, जिनके यहां स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं से इसके लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जा रहा है। जीनस कंपनी को स्मार्ट मीटर लगाए जाने के अनुबंध मिला है। सहायक अभियंता ने बताया कि फिलहाल स्मार्ट मीटर में इंस्टॉल करने की प्रक्रिया चल रही है।

पूरी तरह से इसके व्यवस्थित होने के बाद उपभोक्ताओं को विद्युत का उपयोग करने से पूर्व मोबाइल की तरह रिचार्ज कराना होगा। स्मार्ट मीटर में विद्युत की एक्यूरेसी रहेगी। स्मार्ट मीटर की जगह पुराने मीटर को निकालकर उसे विद्युत भंडार गृह में ठेकेदार को जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। स्मार्ट मीटर लगाए जाने का काम पूरे जिले भर में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को करीब दर्जनभर उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाया गया है। यह सिलसिला अभी लगातार जारी रखकर सभी उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाया जाएगा।

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय में किया गया संविधान दिवस का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अगस्टिन कुजूर, समस्त प्राध्यापक एवं स्वयं सेविकाओं तथा छात्राओं की उपस्थिति में संविधान दिवस का 75वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के प्राचार्य श्री अगस्टिन कुजूर के द्वारा मां सरस्वती एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात संस्था प्रमुख श्री अगस्टिन कुजूर ने सभी छात्राओं को भारत के संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया। प्राचार्य श्री अगस्टिन कुजूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें संविधान के अधिकारों एवं कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

सहायक प्राध्यापक श्री अमरदीप एक्का ने अपने वक्तव्य में भारतीय संविधान को बहुत ही विस्तार से रखा गया। उन्होंने कहा की हमारा संविधान हमें 6 मौलिक अधिकार के साथ ही साथ कुछ कर्तव्य भी दिए गए हैं जिसका हम सभी को भारत का नागरिक होने के नाते अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के लेखापाल श्री हृदयनाथ विश्वकर्मा ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया उन्होंने कहा की जिस तरह एक परिवार को चलाने के लिए परिवार में कुछ नियम कायदे होते हैं उसी प्रकार देश को व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए एवं नागरिकों को व्यवस्थित जीवन यापन करने के लिए संविधान की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविका कु. ज्योति टोप्पो एवं कविता यादव बी ने भारतीय संविधान के बारे में भाषण प्रस्तुत किया गया। संविधान दिवस के इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाओं ने रंगोली का निर्माण किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्लासियुस एक्का सहायक प्राध्यापक हिंदी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अखिलेश यादव ने सभी अतिथियों एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेविकाओं का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। संविधान दिवस के इस महान एवं शुभ अवसर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेविकाएं एवं महाविद्यालय के समस्त छात्राएं उपस्थित थे।

जिले के अमृत सरोवर स्थलों पर संविधान दिवस का किया गया आयोजन

26 नवम्बर, 2024 को संविधान दिवस के अवसर पर जिले के अन्तर्गत सभी विकासखण्डों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत निर्मित 96 अमृत सरोवर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें संविधान की उद्देशिका का वाचन तथा आम नागरिकों को संविधान में प्रावधानित अधिकार एवं कर्तव्यों के संबंध में परिचर्चा किया गया। साथ ही निर्मित अमृत सरोवर के रख-रखाव/संधारण के संबंध में चर्चा किया गया।

इस आयोजन के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच, उप-सरपंच, पंच, वरिष्ठ नागरिक, उपयोगकर्ता महिला समूह के सदस्य के साथ जनपद पंचायत स्तर से कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), तकनीकी सहायक, सचिव व ग्राम रोजगार सहायक तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दूसरे दिन रेल यातायात को किया जा सका बहाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत बिलासपुर-कटनी रेलखंड पर खोंगसरा एवं भनवारटंक स्टेशन के मध्य मालगाड़ी के बाइस वैगनों का अप लाइन में पटरी से उतरने की वजह से खोंगसरा-भनवारटंक सेक्शन में बाधित रेल यातायात को दूसरे दिवस रेल कर्मियों के अथक प्रयास से बहाल कर लिया गया है । इस मार्ग पर डाउन लाइन में सुधार कार्य पुरा कर आज 27 नवंबर को सायं 4.15 बजे डाउन लाइन को फिट कर दिया गया है एवं डाउन लाइन से अप एवं डाउन दोनों दिशाओं की रेल यातायात को संचालित किया जा रहा है। अप लाइन में रेस्टोरेशन एवं सुधार कार्य जारी है, जिसे जल्द ही ठीक कर लेने की बात कही जा रही है। ज्ञात हो कि मंगलवार की घटना के बाद बिलासपुर-पेंड्रारोड-कटनी मार्ग पर रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया था। इस घटना के बाद उक्त रूट से चलने वाली कई यात्री ट्रेनों को रेल प्रबंधन को रद्द करना पड़ा था जबकि कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाना पड़ा था। इस हादसे में रेलवे को करोड़ों की नुकसान उठानी पड़ी है। रेल प्रबंधन हादसे की जांच भी शुरू कर दी है।

नागरिक संविधान में प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझें : अरुण साव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री अरुण साव संविधान दिवस पर नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के संविधान में प्रत्येक नागरिक को बराबर अधिकार दिए गए हैं। हमारा संविधान किसी ग्रन्थ से कम नहीं है। यह हमारा सर्वोच्च ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना संविधान की आत्मा है।

इसका मूल तत्व संविधान की प्रस्तावना से स्पष्ट होता है। एचएनएलयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन, प्रो. योगेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. एन.एल. मित्रा, डॉ. रणवीर सिंह और विपिन कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि सामान्यतः लोग संविधान में नागरिकों को दिए गए अधिकारों की ही बात करते हैं। लेकिन मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा नहीं होती है। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया तथा सीजी लर्न का लोगो भी लॉन्च किया। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सीजी लर्न से विधि क्षेत्र में नया आयाम स्थापित होगा। इससे विधि की शिक्षा और शोध कार्यों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में विधि के शिक्षण संस्थानों को आपस में चर्चा करने को कहा। यह विद्यार्थियों के लिए लाभकारी होगा। सभी शिक्षण संस्थान मिलकर काम करेंगे, तो राज्य में विधि की शिक्षा नई ऊंचाईयों पर पहुंचेगी और छत्तीसगढ़ का देश में नाम रोशन होगा।

कसडोल शहर के पास आ गया था बाघ, वन विभाग था सतर्क

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वन विभाग के अधिकारियों को दी बधाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कसडोल शहर के बिल्कुल एक किमी के दायरे में पहुंच गये बाघ को वन विभाग ने सफलतापूर्वक काबू पा लिया। यह वाकया कसडोल शहर से लगे ग्राम कोट का है। बाघ एक पैरे के ढेर में छिप गया था। वन विभाग की टीम पहुंची और बेहद कुशलता से बाघ को ट्रैक्यूलाइज किया। टैक्यूलाइज करने के बाद बाघ कुछ देर तक होश में रहा और पास ही के पेट्रोल पंप के पीछे की तरफ आ गया लेकिन उसे तेजी से बेहोशी आई और फिर उसे नियंत्रित कर लिया गया। बाघ के बिल्कुल शहर के पास आने से लोगों के लिए कौतूहल का विषय था कि इसे कैसे नियंत्रित किया जाएगा।

वन विभाग के अमले ने इसकी योजना बनाई और बेहद सफलतापूर्वक यह कार्य संपन्न किया गया। बताया जाता है कि यह बाघ ओडिशा के रास्ते से बारनवापारा पहुंचा होगा। आठ महीने से यह बारनवापारा में सक्रिय था। बाघ की सक्रियता केवल कोर एरिया में रहे इसके लिए वन विभाग ने पर्याप्त प्रयास किये थे। जब बाघ का मूवमेंट कोर एरिया से बाहर होने की खबर मिली तो अमले ने सतर्कता से अपनी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि अब बाघ को किसी टाइगर रिजर्व में छोड़ा जाएगा ताकि इसे और भी सुरक्षित परिवेश मिले। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाघ को रेडियो कालर लगा दिया गया है।

इससे बाघ के मूवमेंट पर नजर रखने में आसानी होगी। इसके रक्त का नमूना भी लिया गया है। बाघ पूरी तरह स्वस्थ है। उल्लेखनीय है कि बाघ के शहर के पास होने की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग एवं वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी कानन पेण्डारी चिड़ियाघर बिलासपुर डॉ. पी.के. चंदन वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी नंदन वन जू एवं जंगल सफारी नवा रायपुर डॉ. राकेश वर्मा तथा डॉ. रश्मिलता राकेश पशु चिकित्सा अधिकारी कसडोल के टीम ने तत्काल ग्राम कोट पहुंच कर ग्रामीण धीराजी के बाड़ी में रखे पैरा के ढेर में छुपे बाघ को ट्रैक्यूलाईज करने की प्रयास किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख रायपुर व्ही. श्रीनिवास राव प्रधान, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) प्रेम कुमार, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त रायपुर राजु अगसिमनी, मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) एवं क्षेत्र संचालक उदन्ती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर श्रीमति सतोविशा समाजदार, वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार मयंक अग्रवाल, आनंद कुदरया अधीक्षक बारनवापारा भी मौजूद थे।

पुराना धान बेचने लाए किसान से उड़न दस्ता टीम ने 80 बोरा धान किया जप्त

लुण्ड्रा धान उपार्जन केंद्रों में टीम लगातार कर रही सघन निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/ लुण्ड्रा, कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिले में धान खरीदी के सुचारु संचालन और धान के अवैध परिवहन व भंडारण पर निगरानी रखने उडनदस्ता दल का गठन किया गया है। इसी कड़ी में उडनदस्ता दल द्वारा कार्यवाही करते हुए किसान द्वारा 80 बोरा पुराना धान खपाने के प्रयास को रोका गया और धान जप्त किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार 26 नवंबर मंगलवार को धान उपार्जन केंद्र बरगीडीह में कृषक बृजराज त्रिपाठी निवासी झेराडीह

द्वारा 500 बोरा विक्रय हेतु धान लाया गया था जिसमें से टीम द्वारा जांच उपरांत 80 बोरा पुराना धान पाया गया जिसे त्वरित कार्यवाही करते हुए टीम द्वारा जप्त कर समिति प्रबंधक की सुपुर्दगी में दिया गया। इस मौके पर खाद्य, राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त उडनदस्ता टीम मौजूद रही। बता दे की क्षेत्र में किसान द्वारा आपसी सांठगांठ का खेल चालू हो गया है और पुराना धान के साथ अमानक स्तर का धान खपाने का गोरखधंधा प्रारंभ हो गया है जिसमें बड़ी चालाकी के साथ ऊपर फ्रेश धान और बीच में अमानक स्तर का धान डालकर खपाया जाता है।

लगातार टीम ले रही धान उपार्जन केन्द्रों का जायजा

सरगुजा कलेक्टर के दिशा निर्देशानुसार जनपद पंचायत लुण्ड्रा के धान उपार्जन केंद्रों पर धान विक्रेता किसानों को सुविधा उपलब्ध कराने लुण्ड्रा की राजस्व अमला सभी उपार्जन केंद्रों पर पहुंच कर धान खरीद का जायजा ले रही है। साथ ही किसानों को धान सुखाकर अच्छी क्वॉलिटी का धान लाने के निर्देश दे रही हैं। लुण्ड्रा की राजस्व अमला रोजाना अलग-अलग धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर खरीदी केन्द्र प्रभारीयों से धान की आवक, किसानों को

मिलने वाली सुविधाओं और भुगतान की स्थिति की जानकारी लेकर उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए बुनियादी सुविधाओं टोकन की उपलब्धता और बारदाने की स्टॉक की भी जांच कर रही है। मंगलवार को बरगीडिह के अलावा ससौली(लुण्ड्रा) ,बटवाही में तहसीलदार नायब तहसीलदार की टीम पहुंची और धान खरीदी केन्द्र प्रभारी सत्यम गुप्ता से उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की समीक्षा की।

रा. से. यो. के जिला संघठक का शा उ मा वि रामानुजनगर में हुआ आगमन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर दिनांक 27/11/2024 को प्राचार्य पी. सी. सोनी के संस्था वाले रा से यो इकाई शा उ मा वि रामानुजनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संघठक सी. बी. मिश्रा जी का आगमन हुआ। जिला संघठक महोदय के द्वारा अभिमुखीकरण कार्यक्रम में स्वयंसेकों को रा. से. यो. के नियम, सिद्धांत, कर्त्तव्य एवं उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया गया। स्वयंसेवकों ने नियमित गतिविधि, गोदग्राम एवं लगने वाले विशेष सात दिवसीय शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त किया। मिश्रा जी के द्वारा रा. से. यो. स्वयंसेवकों के उज्जवल भविष्य कि कामना करते हुए बधाई दिया

गया। जिला संघठक के उदबोधन ने स्वयंसेवकों में नई ऊर्जा व नई चेतना का संचार कर दिया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम में विद्यालय कि प्रभारी प्राचार्य सीमा दुबे, सांस्कृतिक प्रभारी विद्या जायसवाल, रा. से. यो. के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह मरावी एवं सैकड़ों कि संख्या में रा. से. यो. स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन रा. से. यो. के कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा ने किया।

चतुर्थ राज्य स्तरीय एकलव्य आदर्श विद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 का हुआ शानदार शुभारंभ

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन की दीं शुभकामनाएं

दो दिवसीय प्रतियोगिता में चार जोन के खिलाड़ी ले रहे हिस्सा, विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में राज्य का करेंगे प्रतिनिधित्व

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर/ जिले में दो दिवसीय चतुर्थ राज्य स्तरीय एकलव्य आदर्श विद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 की भव्य शुरूआत बुधवार को अम्बिकापुर के स्थानीय पीजी कॉलेज ग्राउंड में हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने विधिवत ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर विधायक अम्बिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, विधायक लुण्ड्रा श्री प्रबोध मिंज, विधायक सीतापुर श्री रामकुमार टोप्पो, विधायक बैकुंठपुर श्री भैयालाल राजवाड़े, पूर्व सांसद श्री कमलभान सिंह, राज्य स्तरीय एकलव्य आदर्श विद्यालय संचालन समिति के सचिव श्री नरेन्द्र दुग्गा, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरगुजा हमारे राज्य का मुकुट है और आज सरगुजा में इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सरगुजा आदिवासी बहुल क्षेत्र है जिसे सजाने-संवारने में भी जनजातीय समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं शासन द्वारा सरगुजा और बस्तर क्षेत्र में समन्वय कर राज्य को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार जनजातीय वर्ग के लिए काम कर रही है, इसी दिशा में आदिवासी छात्र-छात्राओं के कल्याण के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्धता दशार्ते हुए भवन विहीन सभी स्कूलों के लिए निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों सरगुजा संभाग को हवाई रूट से जोड़ने एयरपोर्ट की शुरूआत की गई और इसी कड़ी में

दिसंबर माह में सरगुजा से नियमित उड़ान सेवा शुरू होने की संभावना है। शासन द्वारा किसानों के हित में प्रति एकड़ 21 क्विंटल और 3100 रुपए में धान खरीदी की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए पारिश्रमिक भुगतान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरगुजा में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज भवन के शेष निर्माण हेतु 109 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में स्वीकृत मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल निर्माण भी जल्द शुरू होगा। प्रदेश के विकास और खुशहाली के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय प्रतिबद्ध हैं। हम सब मिलकर अपने प्रदेश को संवारने का कार्य करें। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि यह अवसर जीवन में एक ही बार आता है, पढ़ाई करने का अवसर एक ही बार मिलता है, ये स्कूली जीवन स्वर्णिम समय है, हमें विभिन्न विधाओं को सीखने का अवसर मिलता है। इस प्रतियोगिता में जो चयनित होंगे, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। खेलकूद से बेहतर स्वास्थ्य के साथ ही करियर भी बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी अच्छे से खेलें, पढ़े और छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने में अपना योगदान दें।

विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन सरगुजा में किया जा रहा है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अभी यहां अपना पूरा ध्यान खेल में लगाएं। यह दो दिन का अवसर बेहतर प्रदर्शन करने का है, इसके बाद राष्ट्रीय स्तर में खेलने का मौका मिलेगा। बच्चों के लिए पढ़ाई और सर्वांगीण विकास के लिए एकलव्य विद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राज्य स्तरीय एकलव्य आदर्श विद्यालय संचालन समिति के सचिव श्री नरेन्द्र दुग्गा ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आज यहां राज्य स्तरीय चतुर्थ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के संयुक्त तत्वावधान में हो रही है। शासन द्वारा जनजातीय बच्चों के विकास के लिए एकलव्य स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासी बच्चों के समग्र विकास के लिए शासन द्वारा यह प्रयास किया गया है। यह राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता बच्चों के विकास में सहयोगी होगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 75 एकलव्य स्कूलों के छात्र शामिल हो रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाडियों को बेहतर प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं दीं।

अवैध धान पर प्रशासनिक कार्रवाई तेज, अलग-अलग जगहों से 290 क्विंटल अवैध धान जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी की शुरूआत हो चुकी है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिले में धान खरीदी के लिए सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित धान खरीदी पर पैनी नजर भी रखी जा रही है। शासन के निर्देश एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में अधिकारी फील्ड पर उतरकर उपार्जन केंद्रों में जाकर स्वयं जांच कर रहे हैं। प्रशासनिक टीम द्वारा अवैध धान खरीदी, भण्डारण, परिवहन करने वालों पर कार्रवाई की शुरूआत हो चुकी है।

मंगलवार को प्रशासनिक टीम द्वारा अम्बिकापुर के ग्राम खाला के महामाया ट्रेडिंग राजेन्द्र अग्रवाल के गोदाम से 126 क्विंटल एवं ग्राम कंठी के निकेत ट्रेडिंग मदनलाल

अग्रवाल के गोदाम से 104 क्विंटल अवैध रूप से भंडारित धान जप्त किया। वहीं बुधवार को उदयपुर के ग्राम खम्हरिया में सुनील गुप्ता की दुकान में अवैध रुप से भंडारित 10 क्विंटल, ग्राम सलका में अनिल गुप्ता की दुकान से 30 क्विंटल तथा ग्राम कुन्नी के संतोष यादव की दुकान से 20 क्विंटल धान जब्त किया गया किया। इस प्रकार प्रशासनिक टीम द्वारा 290 क्विंटल धान की जब्ती की गई है।

पहाड़ी कोरवा और पण्डो गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण हेतु जिले में पायलट प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री अन्न कोष शुरू करने पर हुई चर्चा, जनप्रतिनिधियों ने की सराहना

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न, वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत कार्यो का हुआ अनुमोदन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज और सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो की उपस्थित में तथा कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में बुधवार को नवीन कंपोजिट बिल्डिंग स्थित सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में लगभग 14 करोड़ रुपए की राशि की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया जिसमें उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं निशक्तजन कल्याण, जनकल्याण और सतत आजीविका एवं अन्य प्राथमिकता के क्षेत्र जैसे भौतिक अधोसंरचना के कार्य शामिल हैं। बैठक में

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर सहित समस्त सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों के समक्ष कलेक्टर श्री भोसकर ने पीवीटीजी महिलाओं के पोषण के गंभीर मुद्दे पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाने का सुझाव रखा जिसपर समस्त जनप्रतिनिधियों ने सहमति जताई। इस पायलट प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री अन्न कोष का नाम दिया जाएगा। पहाड़ी कोरवा और पण्डो जनजाति की गर्भवती और शिशुवती माताओं को प्रोटीनयुक्त अतिरिक्त आहार के रूप में मूंग और चना दिया जायेगा। मूंग और चना में प्रोटीन की अच्छी मात्रा के मद्देनजर चुना गया है। जनप्रतिनिधियों ने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मॉनिटरिंग किए जाने की बात कही। इसमें मितानिनों का भी सहयोग जागरूकता हेतु लिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा पीवीटीजी परिवारों की गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पोषित करने से बच्चों को भी लाभ होगा। जनप्रतिनिधियों ने अगले तीन माह हेतु इस पायलट प्रोजेक्ट के संचालन पर सहमति जताते हुए महिलाओं को बढ़ती ठंड को देखते हुए गरम कपड़े वितरण कराने की भी बात कही जिससे उनकी मदद हो सके। सीईओ जिला पंचायत श्री कंवर ने शासी परिषद की बैठक में सामान्य जानकारी एवं डीएमएफ अंतर्गत वर्षवार प्राप्त आबंटन, स्वीकृति, आबंटित राशि और देय राशि की जानकारी प्रस्तुत की। इसके साथ ही उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत कार्यों, भौतिक अधोसंरचना कार्यों और निरस्त किए गए कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

सम्पादकीय

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती बिलकुल सही

देश की सर्वोच्च अदालत ने वही किया जो बहुत जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर अपने तल्ख तेवर बरकरार रखते हुए साफ शब्दों में कहा कि अभी ग्रेप-4 लागू रहेगा। प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने एयर क्वालिटी कमीशन से पूछा कि 2 दिन में बताएं दिल्ली में जल्द स्कूल कैसे खुलेंगे। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि सिर्फ तकनीक के इस्तेमाल को बेहतर बनाने से न्याय की गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा। हमें समस्या का परमानेंट हल निकालना होगा। यह सही भी है। बिना सख्ती के प्रदूषण का समाधान होता नजर भी नहीं आ रहा। जिस सरकारी तंत्र के भरोसे हम बैठे थे वो दिल्ली और देश के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेने वाले वायु प्रदूषण से निपटने में बुरी तरह नाकाम रहा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि हल तलाशने की बजाए नाकामी को छिपाने की कोशिश होती रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के सही आंकड़े को सार्वजनिक न करने के भी प्रयास होते रहे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी यह दलील देता रहा कि 500 से अधिक एक्यूआई के आंकड़े को इसलिए प्रकट नहीं किया जाता, क्योंकि यह स्पष्ट ही होता है कि वायु की गुणवत्ता में इससे ज्यादा कमी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। इसका क्या मतलब समझा जाए, क्या यह देखा जा रहा था कि एक्यूई 800 और 1000 कैसे होता है। इसी से ही हमारे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। कितनी चिंताजनक स्थिति है कि देश के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत के आसपास है। पिछले दिनों चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन शहरों में निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण है, वहां भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्र द्वारा आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा खर्च तक नहीं हो पाता है। विडंबना देखिए कि 131 शहरों को आवंटित राशि का महज 60 फीसदी ही खर्च हो पाया है। यह स्थिति तब है जब देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। केंद्र सरकार ने इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम का ऐलान 2019 में किया था। जिसका उद्देश्य प्रदूषण से नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना था। कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति बीस से तीस फीसदी कम हो सके। दरअसल, इस अभियान के तहत वायु स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाता है। जिसमें सार्वजनिक यातायात को प्रोत्साहन, शहरों में पौधरोपण, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन शामिल है। इस योजना का प्रचार तो खूब हुआ, लेकिन धरातल में कोई असर होता नजर नहीं आ रहा। राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है तो स्थानीय प्रशासन भी डीजल के 10 और पेट्रोल के 15 साल पुराने वाहनों पर नकेल कसने में जुटा है। पूरे उत्तरी भारत में हजारों की संख्या में ऐसे वाहन जब्त किए जा चुके हैं। आखिर प्रशासन जागा तो सही। जो प्रयास अब हो रहे हैं, यही होते रहे तो जल्द ही हवा में घुल रहा जहर कम हो जाएगा, ऐसी उम्मीद है।

सशक्त-समर्थ लोकतंत्र का प्रतिबिंब

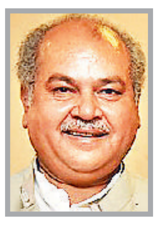

संविधान दिवस
नरेन्द्र सिंह तोमर

हमारा संविधान जन-जन की भावनाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है। संविधान ने राष्ट्र को राह दिखाई है और समय-समय पर स्वयं में परिवर्तन करके लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त भी किया है। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी और लंबे अध्ययन- मंथन-चिंतन के पश्चात 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार किया था। यह समय उसी पवित्र दस्तावेज का स्मरण करने का है जिसने न केवल दशकों से हमारे गणतंत्र की यात्रा का मार्गदर्शन किया है, अपितु कई अन्य देशों को भी अपने संविधान तैयार करने के लिए प्रेरित किया है। संविधान सभा, राष्ट्र के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सदस्यों से बनीं थी।

हम 26 नवम्बर 2024 को 75वां संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। हमारे संविधान का अमृत काल में प्रवेश सशक्त एवं समर्थ भारतीय लोकतंत्र का प्रतिबिंब है। संविधान को राष्ट्र को समर्पित करते हुए भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के यह शब्द कि 'संविधान महज वकीलों का दस्तावेज नहीं है, यह जीवन का माध्यम है और इसकी भावना सदैव युग की भावना है' विगत 75 वर्षों में शब्दशः सत्य प्रमाणित हुए हैं। हमारा संविधान जन-जन की भावनाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है।

संविधान ने राष्ट्र को राह दिखाई है और समय-समय पर स्वयं में परिवर्तन करके लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त भी किया है। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी और लंबे अध्ययन- मंथन-चिंतन के पश्चात 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार किया था। यह समय उसी पवित्र दस्तावेज को स्मरण करने का है जिसने न केवल दशकों से हमारे गणतंत्र की यात्रा का मार्गदर्शन किया, अपितु कई अन्य देशों को भी अपने संविधान तैयार करने के लिए प्रेरित किया है। संविधान सभा, राष्ट्र के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सदस्यों से बनीं थी। इन सदस्यों का हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान तो रहा ही है, साथ ही संविधान रूपी महत्वपूर्ण दस्तावेज की रचना करके भविष्य के भारत को दिशा दिखाने का महान कार्य भी उन्होंने किया है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और प्रारूपण समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अंबेडकर की दूरदर्शिता, राष्ट्र के प्रति निष्ठा एवं जन कल्याण की भावना हमारे संविधान में परिलक्षित होती है। हमें इस बात पर भी गर्व करना चाहिए कि संविधान सभा के 389 सदस्यों में 15 महिलाएं भी थीं। यह वह समय था जब दुनिया के तथाकथित प्रगतिशील राष्ट्रों में महिला अधिकारों पर खींच-तान मची थी, हमारे यहां महिलाएं संविधान निर्माण जैसे महान और महत्वपूर्ण कार्य का हिस्सा थीं। हमारे संविधान का आधार स्तंभ इसकी प्रस्तावना है। हमारा संविधान ही प्रारंभ होता है- 'हम भारत के लोग' वाक्य के साथ, अर्थात यहां मैं नहीं हम की भावना के साथ राष्ट्र का एक-एक जन गणतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है। संविधान की प्रस्तावना में ही जन कल्याण का ध्येय है और इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना पूरी तरह से निहित है।

हमारे संविधान की एक सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यह जितना कठोर है उतना ही लचीला भी है। समय-समय पर काल, परिस्थितियों, राष्ट्र तथा जन कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए संविधान स्वयं में संशोधन की क्षमता भी रखता है। सितम्बर 2024 तक हमारे संविधान में कुल 106 संशोधन हो चुके हैं और इन संशोधनों ने संविधान की शक्ति को और अधिक बढ़ाने का कार्य किया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में विगत दस वर्षों में सरकार ने संविधान में पूर्ण निष्ठा के साथ जन कल्याण की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया है। यह दशक संविधान के लोकहित में सशक्त होने का समय था। संविधान में इस दौरान किए गए संशोधन न केवल ऐतिहासिक हैं अपितु राष्ट्र की प्रगति एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण को गति प्रदान करने वाले भी रहे हैं। संविधान का 106वां

संशोधन, इस देश की आधी आबादी अर्थात नारी शक्ति के सशक्तिकरण को समर्पित है। दशकों से लंबित महिलाओं के हक की एक मांग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नारी शक्तिवंदन अधिनियम 2023 के माध्यम से साकार किया है। लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण भारत में महिला नेतृत्व को एक नया आयाम देता है। 5 अगस्त 2019 को संविधान में हुआ संशोधन स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा ऐतिहासिक निर्णय माना जा सकता है। जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए संविधान में प्रावधानित अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाए जाने से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 'एक देश, एक विधान, एक प्रधान' का संकल्प स्वतंत्रता के 70 वर्ष उपरांत पूर्ण हो पाया। यह पीएम नरेंद्र मोदी की दृढ़ निर्णय शक्ति का ही परिणाम है कि धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी देश के बाकी हिस्सों के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

तीन आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू करके भारत सरकार ने दंड के स्थान पर न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारा है। अंग्रेजों के समय के कानूनों को समाप्त करके उनके स्थान पर नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से समकालीन चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने और लोक आशाओं को ज्यादा पूर्ण करने की शक्ति प्राप्त हुई है। ये नए आपराधिक कानून जांच, सुनवाई और अदालती प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चिंतन में सदैव पहली प्राथमिकता कमजोर वर्ग को सशक्त कर उसे समाज की मुख्यधारा में लाने की रही है। संविधान के 103वें संशोधन के माध्यम से वर्ष 2019 में भारत सरकार ने सामान्य वर्ग के कमजोर आर्थिक वर्ग वाले परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समाज के कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण में मील का पत्थर है। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने भारतीय मुस्लिम बहनों के जीवन में रोशनी का एक नया सूरज उगाया है। तीन तलाक जैसी कुप्रथा के अंत से मुस्लिम महिलाओं को अब समाज में बराबरी का अधिकार मिला है। संविधान में यह संशोधन मोदी की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही जीएसटी के माध्यम से एक देश एक कर की अवधारणा को लागू करने के लिए संविधान का 101वां संशोधन, वर्ष 2019 में संविधान के 104वें संशोधन के जरिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को आरक्षण प्रदान करने की व्यवस्था को 10 वर्ष और बढ़ाने जैसे कदम सरकार की जन कल्याण और प्रगति में गहरी निष्ठा को स्थापित करते हैं। बता दें कि 1951 से अब तक संविधान में 106 संशोधन किए जा चुके हैं। संविधान में पहला संशोधन 1951 में अस्थायी संसद ने पारित किया था, उस समय राज्यसभा नहीं थी। भारत के संविधान को विश्व के सबसे अधिक संशोधित संविधानों में से एक माना जाता है। 7 जून, 2024 को नरेंद्र मोदी जी ने मोदी-3 सरकार की शुरुआत करते हुए संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान की पवित्र पुस्तक को माथे से लगाकर नमन किया था। यही दृश्य पांच साल पहले मोदी-2 के समय भी दृष्टिगत हुआ था। नरेंद्र मोदी जी की भारतीय संविधान में आस्था न केवल इन दृश्यों से अपितु उनके हर निर्णय से स्वतः परिलक्षित हो रही है। हम सभी को देश के नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य पालन में संविधान के प्रति आस्था रखते हुए कार्य करना चाहिए। हमें सदैव अपने कर्तव्य का पालन और अधिकारों का यथोचित उपयोग करना चाहिए। अमृतकाल में विकसित भारत की ओर अग्रसर हमारे राष्ट्र को हमारे संवैधानिक मूल्य सशक्त और समृद्ध करते हैं।

(लेखक मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

दिवस विशेष
प्रो. बिपिन तिवारी

भारतीय संविधान के 75 वर्ष की गौरव यात्रा

संविधान हमारे देश का सर्वोच्च विधान है। यह नियम-कानूनों का दस्तावेज भर नहीं है बल्कि यह वह पवित्र ग्रंथ है जिससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत का संचालन होता है। संविधान के द्वारा मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ शासन के सिद्धांतों को भी रेखांकित किया जाता है। भारतीय संविधान का निर्माण भारतीय संविधान सभा ने किया था। संविधान सभा का गठन छह दिसंबर 1946 को किया गया था। इस सभा में प्रारंभ में कुल 389 सदस्य थे, जिसमें से विभाजन के बाद 299 सदस्य रह गए। इन 299 सदस्यों में से 284 सदस्यों ने 26 नवंबर 1949 को संविधान के अंतिम मसौदे पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। भारतीय संविधान का प्रारूप डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता में बनी सात प्रशासनिक और क़ानूनी विशेषज्ञों की एक प्रारूप समिति ने बनाया। भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया में संविधान सभा ने लगभग 60 देशों के संविधानों का गहन अध्ययन किया और विश्व के विभिन्न संविधानों में जो कुछ भारत हेतु उपयुक्त लगा, उसे भारतीय संविधान का हिस्सा बनाया। विस्तृत चर्चा के बाद भारतीय संविधान का मसौदा 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा के समक्ष लाया गया एवं संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था, हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू किया गया था। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारत के संविधान पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति बने। भारतीय संविधान की रचना पर बात होने पर डॉ. अम्बेडकर के साथ-साथ संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार बेनेगल नरसिंह राऊ का नाम भी आता है, जिन्होंने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 2015 से वर्तमान सरकार ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मानने का निर्णय किया। भारतीय संविधान के 75वें वर्ष पूर्ण होने पर 26 नवंबर 2024 से सालभर स्मरणोत्सव का आयोजन किया जाएगा। अतः यह वर्ष विशिष्ट है। इस दिवस का उद्देश्य संविधान के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है। संविधान को अपनाने का स्मरण कर रहे हैं, जिसने न केवल दशकों से गणतंत्र की यात्रा को निर्देशित किया है, बल्कि कई अन्य देशों के संविधानों को भी प्रेरित किया है। वर्ष भर चलने वाले इस स्मरणोत्सव को 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' के थीम के रूप में मनाया जाएगा। संविधान की प्रस्तावना भारतीय संविधान की आत्मा का वास है। प्रस्तावना संविधान का प्राण है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक संक्षिप्त और व्यापक परिचय है जो संविधान के दर्शन और उद्देश्यों को रेखांकित करती है। पूरे विश्व में यदि किसी संविधान की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावना मानी गई है, तो वह हमारे देश की है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में ही स्पष्ट है कि संविधान की शक्ति सीधे जनता में निहित है। इसीलिए हमारे संविधान का प्रारंभ ही 'हम भारत के लोग' शब्दों से होता है। संविधान किन आदर्शों, आकांक्षाओं को प्रकट करता है, इसे संविधान उद्देशिका के 'हम भारत के लोग' शब्दों से स्पष्ट समझा जा सकता है। यह केवल शब्द नहीं, अपितु भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है। भारत का संविधान भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है जो अपने नागरिकों को न्याय, समानता एवं स्वतंत्रता का आश्वासन देता है तथा बंधुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसे अंगीकृत किए जाने के समय, संविधान में 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं और इसमें लगभग 145,000 शब्द थे, जिससे यह अब तक का अंगीकृत किया जाने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय संविधान माना जाता है। संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद पर संविधान सभा के सदस्यों द्वारा बहस की गई, जिनकी संविधान के निर्माण के लिए अंतिम प्रारूप को पूरा करने में 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे। इस अवधि में 11 सत्रों में और 167 दिनों की बैठक हुई। भारत का संविधान न तो मुद्रित है और न ही टंकित। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हस्तलिखित और सुलेखित है। इसे प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा द्वारा हस्तलिखित किया गया था। पूरे संविधान को हाथ से लिखने में उन्हें 6 महीने लगे और इस दौरान 432 निब घिस गई। यह मूल प्रतियां संसद में रखी हुई हैं। देश का संविधान नागरिकों को मौलिक अधिकार देता है, लेकिन मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्य का पालन करना हम भूल जाते हैं। हम सब मिलकर अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पालन कर एक जिम्मेदार नागरिक बनें तो भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफ़ेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रावण मास का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

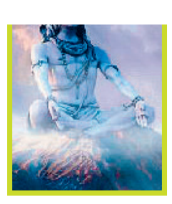

संकलित
दर्शन

भारतीय मनीषियों ने काल गणना के प्रसंग में संस्कृत के 12 मासों को वैज्ञानिकता की पृष्ठभूमि में निर्धारित किया है, जिसमें श्रावण मास चैत्रादि मासों के क्रम में पांचवें मास के क्रम में स्वीकार किया है। संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से श्रवण नक्षत्र में अण प्रत्यय के योग से श्रावण शब्द बनता है, जिसका अर्थ है श्रवण से संबंधित। ध्यातव्य है कि ज्योतिष शास्त्र में श्रवण नक्षत्र का स्वामी भगवान विष्णु को माना गया है। जिस महीने में श्रवण नक्षत्र में पूर्णिमा होती है, उसे ही श्रावण मास कहते हैं। कुछ विद्वानों के मत से सृष्टि का प्रारंभ जल से हुआ है और सावन मास जल के लिए जाना जाता है। अतः यह सृष्टि का पहला महीना है। वेद कहते हैं- 'अप एव ससर्जादौ' अर्थात विधाता ने सर्वप्रथम जल का निर्माण किया। महाकवि कालिदास जी कहते हैं- या सृष्टिः स्त्रष्टुराद्या अर्थात ब्रह्मा की पहली सृष्टि जल ही है। सावन मास में सूर्य दक्षिणायन हो जाते हैं। कर्क राशि का सूर्य ही सावन मास है। इस महीने भगवान विष्णु जल का आश्रय लेकर क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। जल वृष्टि अधिक होने से पृथ्वी में कणों के गर्भांकुर फूट पड़ते हैं। गर्मी का ताप शांत हो जाता है। हृदयहारी वायु बहने लगती है। सभी चराचर जड़ चेतन जीव-जंतु हर्षित हो जाते हैं। प्रकृति का वातावरण सुरम्य हो जाता है। संपूर्ण जीव-जगत उल्लास से भर जाता है। ऊष्णता से संतप्त प्राणियों को शरण देने वाला श्रावण मास का शुभागमन परम आह्लाद देने वाला हो जाता है। सरिताएं, नद, तालाब, नवीन जल से परिपूर्ण हो जाते हैं।

सेवा का समर्पण भाव

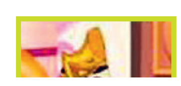

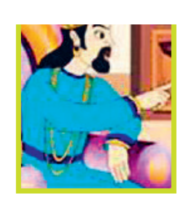

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। क्योंकि ये ही लोग हमारे सच्चे हितैषी और सेवक होते हैं।

रीयल से रील लाइफ की ओर जाती पीढ़ी

रुद्र अवस्थी

आज की पीढ़ी रियल लाइफ से रील लाइफ की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। यह वक्त की जरूरत हो सकती है या इसे मौजूदा संसाधनों के इस्तेमाल का एक तरीका भी बताया जा सकता है।लेकिन जिस तरह आज की पीढ़ी आभासी दुनिया में खोई हुई दिखाई दे रही है उसका असर लोगों की मानसिकता और व्यवहार में भी नजर आ रहा है। मोबाइल में सिमट रही इस दुनिया में भले ही रियल लाइफ से रील लाइफ की तरफ इस यात्रा को फिलहाल रोका नहीं जा सकता ।लेकिन इस वक्त ठहर कर यह सोचने की जरूरत है कि हम किसी ओर जा रहे है..? यह भी सोचा जाना चाहिए कि क्या आज की पीढ़ी के इस रुझान को सकारात्मक माध्यम में बदला जा सकता है ?

याद है बिलासपुर के गुरु घासी दास विश्वविद्यालय में कुलपति रहे प्रोफेसर आरके सिंह भौतिक विज्ञान के विद्वान थे। करीब दो - ढाई दशक पहले एक बातचीत के दौरान उनसे सवाल किया गया था कि इंटरनेट और ऑप्टिकल फाइबर का क्या असर होगा ? उन्होंने उस समय भी यह बात कही थी कि मानव सभ्यता में पहले आग और उसके बाद पहिए के आविष्कार से जिस तरह का बदलाव आया था। कुछ वैसा ही बदलाव इंटरनेट की वजह से भी होगा ।यानी इंटरनेट का इस्तेमाल हर व्यक्ति के जीवन में होगा और बदलाव भी आएगा। उन्होंने तब यह बात कही थी कि समाज का कोई भी हिस्सा इस बदलाव से अछूता नहीं रहेगा। समय बदलने के साथ ही हम इसे देख भी रहे हैं और महसूस भी कर रहे हैं। आज के दौर में एक दूसरे से संवाद झ संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य ,आवागमन से लेकर बैंक, कारोबार, व्यवसाय, कारीगरी तक सब कुछ इंटरनेट के दायरे में आ गया है। इंटरनेट के माध्यम से लोगों को तत्काल हर तरह की सूचना मिल जाती है और किसी भी मसले पर पूरा ब्यूरो मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर कभी भी - कहीं भी देखा जा सकता है ।

यह संजाल किस स्तर तक पहुंच चुका है, इसे एक उदाहरण से भी समझा जा सकता है। पहले अगर किसी के घर में नल टपकता हो या बिजली कनेक्शन की कोई समस्या हो तो मिस्त्री तक पहुंचने में भी काफी समय लग जाता था और लोगों को दिक्कत होती थी। लेकिन अब मिस्त्री तक पहुंचना बहुत आसान है ।कई मामलों में मिस्त्री को सोशल मीडिया के जरिए फोटोग्राफ या वीडियो भेज कर समस्या के बारे में बताया जा सकता है। इसके बाद कुछ देर में ही मिस्त्री पहुंचकर मरम्मत कर देता है ।कहने का मतलब है कि इंटरनेट ने सामान्य जन जीवन में भी लोगों की सहूलियतें काफी बढ़ा दी है। अब समय बर्बाद किए बिना आसानी से काम कराए जा सकते हैं। बैंकिंग सुविधा और दूसरे सरकारी कामकाज में भी इंटरनेट से संचालित संसाधनों का इस्तेमाल कर सुविधाजनक तरीके से काम कराए जा सकते हैं। यह ऐसा संसाधन है जिसमें हर दिन कुछ नया होता है और यह नई सुविधा तुरंत ही लोगों तक पहुंच जाती है। लिहाजा लोगों का जुड़ाव भी इससे बना रहता है।

लेकिन जिस तरह पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर रील की लोकप्रियता बढ़ा रही है। उसे देखकर लगता है कि लोगों का रुझान रियल लाइफ से रील लीइफ की ओर बढ़ता जा रहा है। सामान्य जन जीवन से जुड़ी घटनाओं से लेकर हास्य झ व्यंग, रोमांच तक तरह झ तरह के विषयों पर रील बनाने वाले हर स्तर पर मिल जाएंगे । रील बनाकर उसे पोस्ट करना अब आसान है। इसके लिए सोशल मीडिया पर कई मंच है। इसे देखने वाले लोगों की संख्या भी काफी बढ़ रही है। तमाम लोग जब भी अपना मोबाइल उठाते हैं ज्यादातर समय रील देखने में ही लगाते हैं। छोटे-छोटे रील में अपनी बात कहने वाले लोगों की भी एक खासियत है और देखने वालों को भी लगता है कि इसमें समय देकर वे छोटी-छोटी रील के जरिए कई विविध विषयों का आनंद ले सकते हैं । हालांकि इसके माध्यम से हर स्तर पर प्रतिभाओं को प्रदर्शन के लिए मंच भी मिल रहा है। अब प्रतिभाओं को रोकना भी नामुमकिन है।

लेकिन यह बात भी नजर आती है कि छोटी-छोटी रील में कहीं जा रही बहुत सी बातें वास्तविक ना होकर आभासी हैं। जिसके जरिए ऐसी बातें भी लोगों तक पहुंच रही है जो हकीकत की बजाय हवा हवाई है ।जाहिर सी बात है कि इसका असर देखने वालों पर भी पड़ता है । सबसे बड़ा खतरा यह है कि आभासी दुनिया में खोए हुए लोग रियल के मुकाबले रील को ही सचाई मानकर अपने आगे के रास्ता तय करने का फैसला कर सकते हैं। शार्ट में ही सबकुछ समझ लेने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। कभी लोग किताबों - पत्रिकाओं को पढ़ने में अपना समय लगाते थे । जिसके जरिए तमाम विषयों के बारे में उन्हें जानकारी मिलती थी और विषयों से संबंधित संतुष्टि भी मिलती थी ।कहीं शंका होने पर किताबों या जानकारों से संपर्क कर उसका समाधान खोजने की कोशिश होती थी ।लेकिन अब सब कुछ मोबाइल के दायरे में ही सिमटता जा रहा है। जरूरी नहीं है कि शार्ट रील में कही गई बात से पूरी जानकारी मिले ।लेकिन इससे लोगों का जुड़ाव जिस तरह बढ़ रहा है उससे लगता है कि लोग वास्तविक दुनिया से आभासी दुनिया की ओर जा रहे हैं। हालांकि आज के दौर में इसे रोकना कठिन है। मुमकिन है मन भर जाए तो लोग खुद इससे दूर होंगे । लेकिन एक रास्ता और निकाला जा सकता है कि गंभीर विषयों को भी रोचक ढंग से रील के माध्यम से पेश किया जाए । किसी विषय का सच रील के जरिए पहुंचाने के लिए लोग आगे आएं । जो कंटेन्ट पीढ़ियों तक रोचक रहा है, उसे आज की पीढ़ी के लिए भी पसंदीदा बनाने में इस माध्यम का इस्तेमाल हो सकता है। जिससे इस तरह के माध्यम का सकारात्मक उपयोग हो सके ।

ट्रेंड

सहकार से समृद्धि

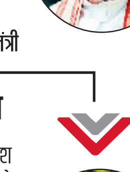

भारत ने हाशिये पर पड़े वर्ग के उत्थान के लिए सहकारी समितियों के अपने समृद्ध इतिहास को पुनर्जीवित किया है। आज पीएम नरेंद्र मोदी जी का 'सहकार से समृद्धि' का दृष्टिकोण दुनिया के लिए एक मिशन वक्तव्य है।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सर्वे के नाम पर तनाव

सर्वे के नाम पर तनाव फैलाने की साज़िश का 'सर्वोच्च न्यायालय' तुरंत संज्ञान ले और जो अपने साथ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से नारेबाज़ों को ले गये, उनके ख़िलाफ़ शांति और सौहार्द बिगाड़ने का मुक़दमा दर्ज हो, दंडात्मक कार्रवाई करे।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित

एक नेता को शांत रहना चाहिए और परिणाम से प्रभावित हुए बिना अपने कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मन की इसी अवस्था को योग कहते हैं। परिणाम के बारे में सोचे बिना काम करते रहो।
-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

बच्चों को शोभा नहीं देता

शक्तिमान के ख़िलाफ़ ट्रोलिंग में देखने को मिला कि छोटी उम्र के बच्चों से चैनल चलवा कर ये साबित करने की गंदी कोशिश की गई कि शक्तिमान अब बूढ़ा हो गया है। अपने ही देश के पहले सुपर हीरो को बूढ़ा बताना आज के बच्चों को शोभा नहीं देता।
-मुकेश खन्ना, अभिनेता

क्वालिटी लाइफ जीना है तो करती रहें सेल्फ इंप्रूवमेंट

जीवन तो सभी जीते हैं, लेकिन कितने लोग सही ढंग से जीवन जीते हैं, अपने सपनों को साकार कर पाते हैं, यह बात ध्यान देने वाली है। सार्थक ढंग से जीवन जीने के लिए, नई सफलताओं के लिए सेल्फ इंप्रूवमेंट यानी आत्म-सुधार बहुत जरूरी है। सेल्फ इंप्रूवमेंट और किन मायनों में जरूरी है, हर किसी को यह जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी

नम्रता नदीम

सेल्फ इंप्रूवमेंट करना, सिर्फ बड़ी कंपनी या गवर्नमेंट जॉब इंटरव्यू के लिए ही जरूरी नहीं है बल्कि जिंदगी में हर पल इसकी उपयोगिता होती है। अगर क्वालिटी लाइफ जीनी है तो सेल्फ इंप्रूवमेंट (आत्म-सुधार) करना ही होगा। क्योंकि सेल्फ इंप्रूवमेंट क्वालिटी लाइफ जीने में बेहद इंपॉर्टेंट रोल अदा करता है। यह ना केवल हमारी व्यक्तिगत क्षमताओं को निखारता है, जीवन के हर पहलू में संतुलन और सफलता लाने में भी मदद करता है। सेल्फ इंप्रूवमेंट केवल किसी करियर एस्पिरेंट या सेलिब्रिटी के लिए ही नहीं, हर शख्स के लिए क्यों जरूरी है? इसे समझने से पहले हमें यह जानना चाहिए कि सेल्फ इंप्रूवमेंट या पर्सनालिटी डेवलपमेंट के मायने क्या हैं?

पर्सनालिटी डेवलपमेंट के सही मायने: पर्सनालिटी डेवलपमेंट का एक मतलब है फिजिकली अट्रैक्टिव दिखना। लेकिन अच्छा दिखने का मतलब यह नहीं है कि आप इसके लिए हर समय ब्रांडेड ड्रेस पहनें। अच्छा दिखने के मायने हैं कि आप साफ-सुथरा दिखें। अपनी पर्सनल हाइजीन का ख्याल रखें। इसका दूसरा मतलब है- अच्छी सोच रखना। अच्छी सोच से मायने है, अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना। कहां, क्या बोलना है, इसे जानते हुए सोच-समझकर बोलें। सोशल होना यानी आपके पास समाज में उठने-बैठने का सलीका हो। सेल्फ इंप्रूवमेंट के यह भी मायने हैं, कल्चरल होना यानी सबकी इज्जत करना, सबको महत्व देना और स्प्रिचुअल होना यानी आपमें खुद को लेकर एक आध्यात्मिक किस्म का भरोसा होना चाहिए मतलब कि अपने आपको लेकर कभी भी संदेह ना हो। वास्तव में किसी में इन क्वालिटीज का होना ही सेल्फ इंप्रूवमेंट होना है। अगर हमने खुद में ये क्वालिटीज इंप्रूव कर ली हैं तो पूरे जीवन इसके बहुत फायदे मिलेंगे, यह तय है। इससे क्या फायदे मिलेंगे यह भी हम जानें।

बढ़ता है आत्मविश्वास: जब आप अपनी स्किल्स और नॉलेज में सुधार करती हैं, तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ता है। यह आत्म-सुधार आपको जीवन की चुनौतियों का सामना करने और नई संभावनाओं को खोजने में मदद करता है।

सकारात्मक सोच बनती है: सेल्फ इंप्रूवमेंट पर ध्यान देने से आप नकारात्मकता से बचती हैं, अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। यह तनाव, चिंता और डिप्रेशन को कम करने में मदद करता है, जिससे आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

लक्ष्य हासिल करने में मिलती है मदद: खुद में सुधार करने से आप अपने जीवन के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से समझ पाती हैं, उन्हें हासिल करने के लिए बेहतर योजना बना सकती हैं। यह अपने लक्ष्यों को स्पष्टता और दिशा प्रदान करता है, जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से अपने सपनों को साकार कर सकती हैं।

रिश्तों में लाता है सुधार

सेल्फ इंप्रूवमेंट से आप अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ पाती हैं, दूसरों के प्रति अधिक सहानुभूति और समझ दिखा पाती हैं। इससे आपके रिश्ते मजबूत और स्वस्थ बनते हैं। बेहतर रिश्तों के बीच हमें जीने की ताकत मिलती है, खुशी मिलती है।

विकसित होती हैं नई क्षमताएं: सेल्फ इंप्रूवमेंट के जरिए आप नई क्षमताएं विकसित कर सकती हैं, जैसे समय प्रबंधन, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता। ये स्किल्स आपके जीवन को अधिक उत्पादक और संतुलित बनाती हैं।

बेहतर होता है मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य: आत्म-सुधार पर ध्यान देने से आप अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी ख्याल रखती हैं। नियमित व्यायाम, सही खान-पान और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने से आप खुद को स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करती हैं।

नए अवसर के लिए होती हैं तैयार: जब आप खुद में सुधार करती हैं, तो नए अनुभवों के साथ आपको नए अवसर मिलते हैं। इससे आपको नए क्षेत्रों में जाने, नई चीजें सीखने और अपने करियर या व्यक्तिगत जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद मिलती है।

सीखते हैं तनाव नियंत्रण करना: सेल्फ इंप्रूवमेंट के ज़रिए आप बेहतर स्ट्रेस मैनेजमेंट तकनीकें सीखती हैं, जैसे मेडिटेशन, टाइम मैनेजमेंट और माइंडफुलनेस। इससे आप तनाव को बेहतर ढंग से संभाल सकती हैं, शांतिपूर्ण जीवन जी सकती हैं।

जीवन को मिलता है एक उद्देश्य: आत्म-सुधार जीवन में एक उद्देश्य और संतोष की भावना लाता है। जब आप लगातार खुद को बेहतर बनाने के लिए काम करती हैं तो आपको एक गहरी संतुष्टि मिलती है कि आप अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर रही हैं।

स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनते हैं: सेल्फ इंप्रूवमेंट के जरिए आप आत्मनिर्भर बनती हैं, दूसरों पर निर्भर होने की बजाय खुद पर भरोसा करती हैं। यह आपको अधिक स्वतंत्र और आत्मविश्वासी जीवन जीने में मदद करता है। इससे आप भीतर से खुशी महसूस करती हैं।

इस तरह देखें तो सेल्फ इंप्रूवमेंट ना केवल व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है, यह आपको एक संतुलित, सफल और खुशहाल जीवन जीने के लिए आवश्यक साधन भी उपलब्ध कराता है। यह आपकी क्षमता, मानसिकता और दृष्टिकोण को निखारता है, जिससे आप जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर सकती हैं। तो देर किस बात की सेल्फ इंप्रूवमेंट की दिशा में आज से ही एक्टिव हो जाइए, अपना जीवन संवारिए, निखारिए।

एक समय था, कोई महिला अकेले रहती तो वह स्वयं का जीवन एक अभिशाप जीवन समझती थी। लेकिन आज आत्मनिर्भर महिलाएं सिंगल रहना एक सजा नहीं समझतीं। अगर सिंगल वूमेन अपनी लाइफ को लेकर पॉजिटिव है तो खुशी से अपना जीवन जी सकती है, उसका पूरा लुत्फ उठा सकती है।

अगर पॉजिटिव हैं तो सजा नहीं है सिंगल रहना

लाइफस्टाइल

मधु सिंह

आज के दौर में महिलाओं का सिंगल रहना, ना तो किसी तरह का अभिशाप है, ना ही किसी तरह की सजा। आज यह एक किस्म की लाइफस्टाइल है, क्योंकि आज एक नहीं अनेक ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से करोड़ों महिलाएं अकेली रहती हैं। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत में 7.14 करोड़ महिलाएं सिंगल वूमेन थीं, जिनमें अविवाहित, तलाकशुदा और विधवा महिलाएं शामिल थीं। सिंगल महिलाओं की इस बड़ी संख्या में कम से कम एक करोड़ महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने अपने मन से खुशी-खुशी सिंगल रहना तय किया है।

सिंगल रहने के कारण: किसी महिला के अकेले रहने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं। किसी को अपना मनपसंद साथी नहीं मिलता तो किसी को अकेलेपन में मजा आता है, क्योंकि ऐसी महिलाएं भी हैं, जिन्हें जिंदगी में किसी की टोका-टाकी पसंद नहीं होती है। कुछ महिलाओं की किसी के साथ बनती नहीं है। कुछ को अपने पार्टनर में इतनी सारी खूबियां चाहिए होती हैं कि उन्हें किसी एक इंसान में पाना संभव ही नहीं हो पाता है।

नई पीढ़ी की सोच है अलग: नई पीढ़ी तो अब इस सबकी परवाह भी नहीं करती कि उसे किसी का साथ मिलता है या नहीं, बल्कि कई तो यह मानती हैं कि आज के समय में रिश्ते, मानसिक और शारीरिक तौर पर बीमार बना देते हैं। इसलिए सिंगल रहना अपनी खुशियों के साथ जीना है। इस संबंध में हम यह भी बताना जरूरी समझते हैं कि किसी भी वजह से आप अकेले रहती हैं, लेकिन इसका मजा तभी ले सकती हैं यानी अकेले रहने में खुश तभी रह सकती हैं, जब आपको जिंदगी को पॉजिटिव तरीके से जीना आता हो। जिंदगी को पॉजिटिव तरीके से जीने की कुछ तरीके होते हैं। आइए एक-एक करके जानते हैं।

खुद से करें प्यार: अकेले रहने की सबसे खूबसूरत बात यह है कि आपके पास खुद के साथ एक प्यार भरा रिश्ता बनाने का मौका होता है। वास्तव में एक अच्छा जीवन 'सेल्फ लव' से शुरू होता है। जब तक आप खुद से प्यार नहीं करतीं, तब तक आप यह जान नहीं सकतीं कि आप ही सबसे ज्यादा खुद से प्यार कर सकती हैं। जबकि हकीकत यह है कि महिलाएं दूसरों को भले कुछ ना कहें, लेकिन आमतौर पर खुद को कोसती ही रहती हैं। अगर अकेले रहने का मन है तो खुद से भरपूर प्यार करना सीखें। कभी किसी की कमी महसूस नहीं होगी और खुशियों में डूबती, उतराती रहेंगी, क्योंकि जब खुद से प्यार करेंगी तो खुद का ध्यान भी रखेंगी और खुश रहने के तरीके भी खोज लेंगी।

भरपूर मी टाइम

जब आप अकेले रहती हैं तो आपको अपने लिए भरपूर 'मी टाइम' होता है। आप इस समय का इस्तेमाल अपनी बेहतरीन हॉबीज को जीने में खर्च कर सकती हैं। लोगों से क्वालिटी रिलेशन बनाती हैं। अगर आप अकेली हैं और किसी के साथ कमिटमेंट नहीं है तो आप सब कुछ अपने मन का कर सकती हैं। इससे आप ज्यादातर समय अपने मन का जी सकती हैं यानी, खुश रहती हैं। अकेले रहते हुए आप सिर्फ मी टाइम नहीं निकालतीं बल्कि अपने प्रोफेशनल करियर को भी बेहतर समय देती हैं, इसके बेहतर नतीजे भी निकलते हैं।

मेंटल और फाइनेंशियल हेल्थ: जब आप अकेले रहती हैं तो आपकी मेंटल हेल्थ बेहतर होती है, क्योंकि आपको कोई टॉर्चर नहीं कर सकता, ना ही आप पर कोई धौंस जमा सकता है। इसके साथ ही अकेले रहने में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ भी ठीक रहती है, क्योंकि आप जो कुछ कमाती हैं, वह सब आपका अपना होता है, उसे आप अपने तरीके से खर्च कर सकती हैं।

सार यह है कि अगर आप अपनी खुशी और इच्छा से अकेले रह रही हैं, तो पॉजिटिव रहें और जिंदगी का भरपूर लुत्फ लें।

मेंटल हेल्थ

डॉ. आरती आनंद, सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

अगर आपको बात-बात पर आता है गुस्सा

कभी-कभी मुश्किल हालात में मामूली गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन जब किसी को अकसर छोटी-छोटी बातों पर भी गुस्सा आने लगे, तो ऐसी मनोस्थिति व्यक्ति के मेंटल हेल्थ के लिए नुकसानदेह हो सकती है। इससे कैसे करें बचाव, जानिए।

आज की आपा-धापी भरी जीवनशैली में अधिकांश लोग तनावग्रस्त रहते हैं, इसी वजह से उन्हें गुस्सा भी बहुत आता है। इससे ना केवल आस-पास के लोगों के साथ संबंध खराब होते हैं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। इसकी वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, एंग्जायटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं जन्म लेती हैं। बहुत गंभीर स्थिति हो जाने पर हार्ट अटैक का भी खतरा रहता है। आपने कभी शांत चित्त होकर सोचा है कि आपको गुस्सा क्यों आता है? दरअसल, यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है कि हम सभी यही चाहते हैं कि हर कार्य हमारी पसंद और मर्जी के मुताबिक हो, जब कभी ऐसा नहीं होता है तो फिर उसकी प्रतिक्रियास्वरूप व्यक्ति क्रोधित हो जाता है। कई बार व्यक्ति को ऐसा लगता है कि मेरे साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है या लोग मेरी अच्छाई का गलत फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, तब भी व्यक्ति को गुस्सा आता है। कभी-कभी किसी आकस्मिक स्थिति में व्यक्ति किसी मामूली घटना से जुड़ी अन्य बातों की कल्पना करने लगता है, जिससे भय या आशंका के कारण उसे अधिक गुस्सा आता है। इसलिए इस नकारात्मक भावना पर नियंत्रण बहुत जरूरी है।

हॉर्मोंस हैं जिम्मेदार: हम जब तनाव या गुस्से की स्थिति में होते हैं, तब हमारे शरीर के भीतर एड्रिनलिन और कार्टिसोल हॉर्मोन का स्राव तेजी से होने लगता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है, मांसपेशियों में तनाव आने लगता है, इसी वजह से व्यक्ति क्रोध से उत्तेजित हो जाता है। वहीं सेरोटोनिन नामक हॉर्मोन भावनाओं को नियंत्रित करने में मददगार होता है, जब किसी वजह से शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो व्यक्ति अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाता। अगर किसी व्यक्ति का गुस्सा बेकाबू हो जाता है तो उसे नियंत्रित करने लिए मनोचिकित्सक कुछ ऐसी दवाएं भी देते हैं, जो इन हॉर्मोंस की मात्रा को संतुलित रखने में मददगार होती हैं।

खुद को पहचानें: अपने गुस्से को नियंत्रित करने के लिए सबसे जरूरी यह है कि आप अपने व्यक्तित्व को पहचानें। इस बात पर गौर करें कि आपको किन हालात में और किन वजहों से सबसे ज्यादा गुस्सा आता है, फिर गुस्सा दिलाने वाले कारणों को पहचान कर उनसे दूर रहने की कोशिश करें। गुस्से की भावनाओं को कभी हावी ना होने दें। यह पहचानने की कोशिश करें कि कब आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं, फिर वैसी स्थिति से दूर रहने की कोशिश करें।

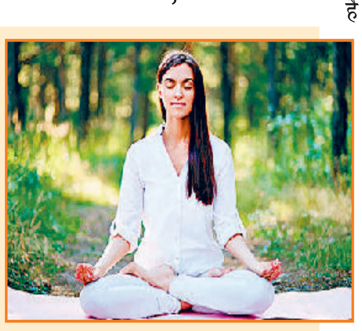

मेडिटेशन करें

मेडिटेशन का अभ्यास करने से ब्रेन को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलता है, जिससे ब्रेन रिलैक्स रहता है और गुस्से को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इसलिए प्रतिदिन मेडिटेशन के लिए समय जरूर निकालें।

पहले सोचें फिर बोलें: दूसरों की किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त करने की आदत ठीक नहीं है। जब आपको गुस्सा आ रहा हो उस वक्त आप शांत रहने की कोशिश करें। थोड़ी देर बाद जब आपका गुस्सा शांत हो जाए, तब उस व्यक्ति से आप विनम्रता के साथ इस बात की शिकायत कर सकते हैं कि उनकी अमुक बात के कारण आपको गुस्सा आ रहा था। इस तरह आप गुस्से के कारण होने वाले नुकसान से बच जाएंगी।

गहरी सांस लें: जब आपको ऐसा लगे कि गुस्सा आ रहा है, तो शांत बैठकर तीन बार गहरी सांस लें। इससे आपके लिए गुस्से पर काबू पाना आसान हो जाएगा। दरअसल, गुस्से में व्यक्ति की सांस तेज चलने लगती है। गुस्से को नियंत्रित करने का आसान तरीका यह है कि धीमी और गहरी सांस ली जाए। नाक से धीरे-धीरे सांस लेकर उसे मुंह से बाहर निकालें। इससे शरीर में आराम की प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है और ब्रेन को रीसेट करने में मदद मिलती है। व्यक्ति का मन धीरे-धीरे शांत अवस्था में लौटने लगता है।

अच्छी नींद लें: नींद की कमी भी चिड़चिड़ेपन और गुस्से का बहुत बड़ा कारण है। इसलिए रोजाना रात को सही समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं। ध्यान रहे कि आपको रोजाना आठ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। इससे मन तनावमुक्त रहता है, जल्दी गुस्सा नहीं आता।

ठंडा पानी पीएं: पानी पीने से कुछ पल के लिए व्यक्ति का ध्यान भटकता है, नसों को आराम पहुंचता है, इसलिए गुस्सा शांत हो जाता है। जब भी आपको ऐसा लगे आपका गुस्सा नियंत्रण से बाहर हो रहा है, आप बिना देर किए ठंडा पानी पीएं, इससे आपका गुस्सा तुरंत शांत होगा।

संगीत सुनें: जब भी मन तनावग्रस्त हो तो मनपसंद संगीत सुनें। संगीत हैप्पीनेस हॉर्मोन, डोपामाइन और सेरोटोनिन की मात्रा को बढ़ाने में मददगार होता है, इससे आपके लिए अपने गुस्से को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा।

समाधान की ओर ध्यान दें: आपको किन-किन कारणों से गुस्सा आता है, यह सोचने से ज्यादा जरूरी यह है कि आप समस्या के समाधान की ओर ध्यान दें, इससे आपके लिए क्रोध की मनोदशा से बाहर निकलना आसान हो जाएगा।

सहज हास्यबोध विकसित करें: हमेशा खुश रहें और सबके साथ हंसकर बातचीत की आदत बनाएं। अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर गुस्से को नियंत्रित करने में मददगार होता है। इसलिए अच्छे कॉमेडी शोज देखें और खुशमिजाज लोगों के साथ दोस्ती बढ़ाएं। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका मन हमेशा खुश, ऊर्जावान और तनावमुक्त रहेगा।

प्रस्तुति : विनीता

ब्यूटी सजेशन

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

टमाटर खाना हेल्थ के लिए अच्छा होता है, यह तो आप जानती ही हैं। लेकिन इससे अपने चेहरे को भी निखारा जा सकता है, इसे फ्रेश-ग्लोइंग बना सकते हैं। इसे किस-किस तरह से आप यूज कर सकती हैं, जिससे आए चेहरे पर निखार, आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

ऐसे यूज कीजिए टोमैटो पाइए फ्रेश-ग्लोइंग स्किन

टमाटर का इस्तेमाल खूबसूरती को बढ़ाने और त्वचा से जुड़ी समस्याओं को मिटाने के लिए परंपरागत रूप से किया जाता रहा है। खूबसूरती निखारने के लिए टमाटर को चेहरे पर सीधे भी रगड़ सकती हैं। त्वचा पर टमाटर को सीधे रगड़ने से तैलीय त्वचा को भी फायदा मिलता है क्योंकि टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा से तेल को कम करने में मदद करते है और स्किन रिजुविनेट हो उठती है। अगर आप टमाटर को चेहरे पर सीधे नहीं रगड़ना चाहतीं तो आप इसे जोजोबा तेल, जैतून का तेल, बेसन, दही, ओट्स, एलोवेरा, खीरा, नीबू के रस के साथ मिलाकर नेचुरल पैक के रूप में भी अप्लाई कर सकती हैं। चेहरे पर टमाटर लगाने का सबसे अच्छा समय रात को सोने से पहले का होता है। रात को सोते समय त्वचा अधिक एब्जॉर्ब करती है। इसलिए रात में टमाटर यूज करना अधिक फायदेमंद होता है।

होते हैं कई न्यूट्रिएंट्स: टमाटर में लाइकोपीन, विटामिन-सी और विटामिन-ई पाए जाते हैं। ये गुण, त्वचा की गहराई में जाकर काम करते हैं। इससे त्वचा पर जमा धूल-मैल और डेड स्किन सेल्स साफ होती हैं और त्वचा की रंगत में निखार आता है। टमाटर में कई तरह के एंजाइम और पोषक तत्व होते हैं, जिसकी वजह से टमाटर को चेहरे पर रगड़ने से चेहरे के दाग, धब्बों, मुंहासे और झुर्रियों को मिटाने में मदद मिलती है।

क्लीनिंग में यूजफुल: आप टमाटर से चेहरे को क्लीन कर सकती हैं। इसके लिए एक टमाटर के स्लाइस को चेहरे पर 15-20 मिनट तक रगड़िए और आधे घंटे बाद चेहरे को साफ ताजे पानी से धो डालिए। टमाटर में मौजूद एंजाइम्स, त्वचा को धीरे-धीरे एक्सफोलिएट करते हैं, जिससे त्वचा की डेड सेल्स को हटाने में मदद मिलती है। इससे चेहरे की खूबसूरती निखर कर बाहर आती है और चेहरे पर झुर्रियों और एजिंग को रोकने में मदद मिलती है, जिससे आप यंग दिखेंगी।

यूज करें टोमेटो स्क्रब: अगर आप टमाटर को चेहरे पर डायरेक्ट लगाने में असहज महसूस कर रही हैं तो कांच की कटोरी में थोड़ी पीसी हुई चीनी और टमाटर को मिलाकर एक मिश्रण तैयार कर लें और इस मिश्रण को चेहरे पर अच्छे से रगड़कर चेहरा धो लें। इससे चेहरे की डेड सेल्स निकल जाएंगी और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लौट आएगा। टमाटर को चेहरे पर रगड़ने से चेहरे पर नजर आने बाले बड़े पोर्स यानी छिद्र बंद हो जाते हैं, जिससे चेहरे पर धूल, मिट्टी और गंदगी के कण जमा नहीं हो पाते। इससे त्वचा पर कील-मुहांसे नहीं पनपते।

टोमेटो फेस पैक के रूप में: टमाटर को सीधे चेहरे पर लगाने से चेहरे की त्वचा के प्राकृतिक स्वरूप को बचाने में मदद मिलती है। टमाटर में मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट गुण मुंहासों के निशानों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो इसका पैक भी बनाकर यूज कर सकती हैं। इसके लिए टमाटर को सबसे पहले मिक्सी में अच्छे से पीस कर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में थोड़ा सा शहद और एलोवेरा जैल मिला कर आधा घंटा तक चेहरे पर लगा रहने दें। बाद में चेहरे को साफ ताजे पानी से धो डालें। आप इसे हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

टैनिंग से बचाने में यूजफुल: टमाटर में विटामिन-ए, सी, के के अलावा एसिडिक गुण भी विद्यमान होते हैं, जिसकी वजह से यह त्वचा के पीएच लेवल को बनाए रखने में मदद करता है और त्वचा को गहराई तक साफ रखने में सहायक होता है। टमाटर को चेहरे पर रगड़ने से त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद मिलती है, जिससे स्किन टैनिंग के उपचार में भी मदद मिलती है। इसके लिए आप दो चमच्च दही में आधे टमाटर को मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर लगा लें और आधे घंटे बाद चेहरे को साफ पानी से धो डालें। इससे स्किन को सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाने में मदद मिलती है।

प्रयागराज का महाकुंभ स्वच्छता के मामले में नए मानक स्थापित करेगा: सीएम योगी

भारत का संविधान जिन तीन स्तंभों पर स्थित है, उसका आधार ही संवाद है

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले वर्ष जनवरी में होने वाले महाकुंभ की तैयारियों को लेकर सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि महाकुंभ न केवल स्वच्छता के मामले में नए मानक स्थापित करेगा बल्कि डिजिटल कुंभ की शुरूआत कर प्रौद्योगिकी को भी अपनाएगा। प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले महाकुंभ के लिए सरकार व्यापक तैयारियों में जुटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को यहां एक मीडिया समूह के संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने सभी को संविधान दिवस की बधाई देते कहा कि भारत का संविधान जिन तीन स्तंभों पर स्थित है, उसका आधार ही संवाद है।

योगी ने विश्वास जताया कि महाकुंभ विरासत, विकास व भारत की सनातन धर्म की परंपरा को नई पहचान देने का नया अभियान होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन इस बार 45 दिन का होगा, जिसमें 35 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। योगी ने बताया कि महाकुंभ को सफल बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 2019 में हुए कुंभ में 23 से 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे लेकिन इस बार 45 दिन में 35 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

सीएम योगी ने सरकारी प्रयासों की चर्चा करते हुए बताया कि कुंभ के क्षेत्रफल में भी विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि 2019 में कुंभ का क्षेत्रफल 3200 हेक्टेयर था जबकि 2025 में महाकुंभ का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर होगा। योगी ने बताया कि इस क्षेत्रफल को 25 सेक्टर में विभाजित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संगम तट तक पहुंचने के लिए डेढ़ से दो किलोमीटर से अधिक की यात्रा न करनी पड़े इसके लिए इंतजाम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अलग-अलग मार्ग पर 1850 हेक्टेयर से अधिक में पार्किंग स्थल चिन्हित किया है और यह स्थल संगम तट से दो से पांच किलोमीटर के दायरे में होंगे। योगी ने सफाई पर जोर देते हुए कहा कि महाकुंभ के क्षेत्र में डेढ़ लाख शौचालय बनाए जा रहे हैं।

हर आतंकी संगठन को देंगे मुंहतोड़ जवाब

हमारा संविधान मार्गदर्शक है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में आयोजित संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व का जब हम स्मरण कर रहे हैं, तब ये भी नहीं भूल सकते कि आज के ही दिन मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले में जिन व्यक्तियों का निधन हुआ, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश का यह संकल्प भी दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

मोदी ने कहा कि हमारे संविधान निमार्ता ये जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वो जानते थे कि आजाद भारत की और भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा, बल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान देश की हर अपेक्षा और जरूरत पर खरा उतरा है। यह संविधान की ताकत ही है कि आज जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब का संविधान पूरी तरह से लागू हो सका है। पहली बार जम्मू-कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत परिवर्तन के एक बड़े दौर से गुजर रहा है और भारत का संविधान हमें राह दिखा रहा है। यह हमारे लिए मार्गदर्शक बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान, हमारे वर्तमान और हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है। आज हर देशवासी का एक ही ध्येय है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने कहा कि भारतीयों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए नई न्याय संहिता लागू की गई है। दंड आधारित व्यवस्था अब न्याय आधारित व्यवस्था में बदल चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, 53 करोड़ से ज्यादा ऐसे भारतीयों का बैंक खाता खुला है, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे। पिछले 10 वर्षों में, 4 करोड़ ऐसे भारतीयों को पक्का घर मिले हैं, जो कई कई पीढ़ियों से बेघर थे। पिछले 10 वर्षों में, 10 करोड़ से ज्यादा ऐसी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, जो वर्षों से अपने घर में गैस पहुंचने का इंतजार कर रही थी। उन्होंने कहा कि आज देश का बहुत ज्यादा जोर देश के नागरिकों को ईज ऑफ लीविंग पर है। एक समय था जब पेंशन पाने वाले सीनियर सिटीजन्स को बैंक में जाकर साबित करना होता था कि वो जीवित हैं। आज सीनियर सिटीजन्स को घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा मिल रही है।

मोदी ने कहा कि आज भारत वो देश है... जो हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का सुविधा देता है। आज भारत वो देश है... जो 70 साल के अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को फ्री हेल्थकेयर की सुविधा देता है।

हमें नहीं चाहिए ईवीएम, बैलेट पेपर पर होने चाहिए चुनाव : खड़गे

महाराष्ट्र में अडानी का बहुत बड़ा हाथ था

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को चुनावों में मतपत्रों की वापसी को चिह्नित करने के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' जैसे अभियान का आह्वान किया। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पार्टी के संविधान दिवस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमें ईवीएम नहीं चाहिए, हमें मतपत्र चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीटों पर जीत हासिल की, जिसके बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने चुनाव के संचालन में गड़बड़ी का आरोप लगाया। कांग्रेस के महाराष्ट्र पर्यवेक्षक और कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने राज्य में ईवीएम हैकिंग का भी आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर वार करते हुए खड़गे ने कहा कि आप (सत्ता में) आए और लूट रहे हैं और इसे अडानी, अंबानी और उनके जैसे अन्य लोगों को दे रहे हैं। इन लोगों ने कभी देश के लिए नहीं सोचा। मोदी और ये एक-दूसरे के लिए सोचते हैं।' मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि महाराष्ट्र के चुनाव में अडानी की बड़ी भूमिका थी। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उन्हें बहुत सारी संपत्तियां दीं और वह इसे संभाल नहीं पा रहे हैं।' वह इसे बीजेपी की तरफ से चुनाव में बांट रहे हैं। उनके पास कोई संवैधानिक मूल्य नहीं है। उनमें संस्थागत अखंडता का अभाव है। उनका संघीय चरित्र नहीं है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद को किया संबोधित

'संविधान' की पहली संस्कृत प्रति जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को संविधान सदन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया, जो भारत के संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोह की शुरूआत थी। 'संविधान दिवस' कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति देखी गई, जो भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में इस अवसर के महत्व को प्रदर्शित करता है।

आपको बता दें कि भारत 1949 में संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस या संविधान दिवस मनाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के संस्कृत और मैथिली में अनुवादित संस्करण भी जारी किए, और राष्ट्रपति के नेतृत्व में प्रस्तावना का एक औपचारिक वाचन होगा। संविधान सदन में अपने संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से सरकार की पहल पर जोर दिया। उन्होंने गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराने और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया, जो समावेशी विकास और राष्ट्रीय प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। अपने संविधान के माध्यम से हमने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लक्ष्य हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी नागरिकों से आग्रह करती हूं कि वे संवैधानिक आदर्शों को अपने व्यवहार में अपनाएं और अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करें और 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के साथ नए युग की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि आज अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ साथ हमारा देश विश्वबंधु की भूमिका भी निभा रहा है।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि हम भारत द्वारा अपना संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े और सबसे गतिशील लोकतंत्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। हमारा देश उल्लेखनीय आर्थिक विकास, मजबूत बुनियादी ढांचे, व्यापक डिजिटल अपनाने, सभी को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होने के साथ फलता-फूलता है। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियाँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि हमारे संविधान ने भारतीय लोकतंत्र को प्रभावी ढंग से असुरक्षित कर दिया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 81,634.72

निफटी 25,013.85

पूरे 5 साल तक महाराष्ट्र के सीएम रहेंगे देवेंद्र फडणवीस

शिंदे बन सकते हैं डिप्टी सीएम

एजेंसी

मुंबई, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जीत दिलाने के बाद अब मुख्यमंत्री पद को लेकर हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि एकनाथ शिंदे ने मंगलवार सुबह सीएम पद से अपना इस्तीफा दे दिया। अब माना जा रहा है कि देवेंद्र फडणवीस राज्य के अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं। हालांकि, शिंदे ने भी अपनी दावेदारी नहीं छोड़ी है। चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 288 सदस्यीय विधानसभा में 235 सीटों पर भारी जीत हासिल की।

सूत्रों के मुताबिक, दो परिदृश्य हैं जिन पर काम किया जा रहा है। पहले परिदृश्य में, एकनाथ शिंदे पूरे पांच साल के लिए देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री रहेंगे। और ढाई साल में कोई रोटेशन नहीं होगा। जिस तरह फडणवीस ने ढाई साल तक उपमुख्यमंत्री के तौर पर काम किया, उसी तरह एकनाथ शिंदे भी सीएम के उपमुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में बने रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक ऐसी संभावना है कि शिंदे को शहरी विकास यानी ढहऊ मंत्रालय दिया जा सकता है, जो एक बहुत बड़ा मंत्रालय है। समृद्धि महामार्ग जैसी योजना इसी मंत्रालय की देन है।

अटकलें यह भी हैं कि अजित पवार को वित्त मंत्रालय दिया जा सकता है और वह डीवाई सीएम भी बने रहेंगे। देवेन्द्र फडणवीस के कार्यभार संभालने के साथ गृह मंत्रालय भाजपा के पास रहेगा। और दूसरा परिदृश्य जो राजनीतिक हवा में बन रहा है वह यह है कि एकनाथ शिंदे के करीबी उदय सामंत, शंभुराजे देसाई या दीपक केसरकर आने वाले समय में उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं और एकनाथ शिंदे नई दिल्ली जा सकते हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 132 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राकांपा क्रमशः 57 और 41 सीटों पर विजयी रहीं। कई छोटे संगठन भी गठबंधन का हिस्सा हैं।

न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए शिवसेना नेता शंभुराज देसाई ने कहा कि एक शिवसैनिक होने के नाते उनका मानना ??है कि पार्टी के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे को सीएम पद मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी महायुति का नेतृत्व कौन करेगा और महायुति का सीएम चेहरा कौन होगा - हमारे तीन नेता एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार एक साथ बैठेंगे और इस पर चर्चा करेंगे। वे जो भी निर्णय लेंगे उसे महायुति के सभी विधायक मानेंगे और वही निर्णय लागू किया जायेगा।

ईटानगर में छात्र संघ के चुनाव के दौरान हिंसक झड़प

10 लोग किये गये गिरफ्तार

एजेंसी

ईटानगर । अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में ऑल न्यीशी स्टूडेंट्स यूनियन (एएनएसयू) के चुनाव में मतगणना के दौरान झड़प होने के बाद दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (राजधानी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि सोमवार रात यहां करीब नौ बजे मतगणना के दौरान सिद्धार्थ हॉल में दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि उनके समर्थकों ने एक-दूसरे पर हथियारों एवं लाठियों से हमला किया जिससे पांच लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि स्थिति और बिगड़ने लगी जब दोनों पक्षों की ओर से गोलियां चलने लगीं। सिंह ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले एवं स्टन ग्रेनेड (बहुत तेज आवाज एवं चकाचौंध पैदा करने वाले गैर घातक गोले) दागे तथा लाठी चार्ज किया। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में आ गयी लेकिन आसपास की पहाड़ियों की चोटियों से छिटपुट गोलीबारी जारी रही। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गये।

मध्य प्रदेश के मुरैना में तीन मकान ढहने से दो लोगों की मौत

मुरैना, मध्य प्रदेश के मुरैना में आधी रात के आसपास एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसके परिणामस्वरूप तीन मकान ढह गए और दो व्यक्तियों - एक माँ और उसकी बेटी - की दुखद मौत हो गई। कथित तौर पर गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण हुए इस विस्फोट में कई अन्य लोग घायल हो गए और मलबे में दब गए। आपातकालीन टीमें किसी भी जीवित व्यक्ति का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से बचाव अभियान चला रही हैं, अधिकारियों को डर है कि मलबा साफ होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम निर्मल कुमार सिंह पिता श्री रामलखन सिंह अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम निर्मल सिंह पिता श्री रामलखन सिंह निवासी/पताः वार्ड न. 7, गांधीनगर, अम्बिकापुर, सरगुजा, 497001 रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम निर्मल सिंह पिता रामलखन सिंह से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथ कर्ता नामः निर्मल सिंह पताः वार्ड न. 7, गांधीनगर, अम्बिकापुर, सरगुजा, 497001

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क्र० ब-121/2024-25

ग्राम- लडुवा तहसील राजपुर

-: ईश्तहार : -

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजमुन्ना आ० स्व० धनसाय निवासी ग्राम लडुवा थाना तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपने पिता स्व० धनसाय की मृत्यु ग्राम लडुवा में दिनांक 08.09.2010 को हुआ है। किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 05/12/2024 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कायार्पालिक दण्डाधिकारी

राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2023-24

-:: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री दिनेश कुमार साहू, महेश कुमार साहू आ. श्री हरिनारायण, दोनों जाति तेली, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सूरजपुर, प.ह.नं.11, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 507/2 रकबा 0.155 हे. में से रकबा 0.044 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 29.11.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 21.11.2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी

भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में

मामला क्रमांकः 202411020700117

विषयः अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन-2024-25

सपना (प.ह.न. 00028)

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार-शिवचरण, सुखलाल, बुधियारो, करण, संतोष, हिरासाय, सीमा, फुलेश्वरी विफईया सुखमनिया सोनम पुत्री, मु गालोबाई वेवा, मंगली, सोधन राम, समुंदर, ना.बा.लोकेश रजक, जीरन राम, मंगली, मुन्ना, बसंती रजक, अनुका, गाँधी, शिवबालक, लहसुनिया, नान, सुखदेव, बोधन राम, संजय, ना.बा.वर्षा रजक,

अनावेदक पक्षकार-सोधन राम, समुंदर, ना.बा. लोकेश रजक, जीरन राम, मंगली, मुन्ना, बसंती रजक, शिवचरण, सुखलाल, बुधियारो, लहसुनिया, नान, सुखदेव, करण संतोष, हिरासाय, सीमा, फुलेश्वरी विफईया सुखमनिया सोनम पुत्री, मु गालोबाई वेवा, मंगली, बोधन राम, संजय, ना.बा. वर्षा रजक, अनुका, गाँधी, शिवबालक,

ईश्तहार

आवेदक बोधन राम पिता स्व0 तेजू व अन्य, निवासी ग्राम पहाडगांव, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम सपना स्थित कुल खसरा नंबर 14 कुल रकबा 3.041 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23.12.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/11/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

तहसील-अम्बिकापुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र पवनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नानबाई पुत्री शिवप्रसाद गोड साकिन पवनपुर रा0नि0म0 व तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदिका के नाम पर भूमि ग्राम पवनपुर में स्थित खसरा नंबर 279, 406, रकबा 1.85, 0.24 हे0 भूमि स्थित है उक्त वादभूमि के वेतनमान राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश अनावेदकगण का नाम दर्ज हो गया है जिसे आवेदिका सुधार कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 05/12/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 14/11/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार

रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./........../अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती हीना खातुन फिरदौसी पत्नी स्व0 नुरूल हसन फिरदौसी जाति मुसलमान निवासी ग्राम बरगीडीह मस्जिदपारा बरगीडीह तहसील लुण्ड्रा, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर -3 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 989/3 रकबा 0.01,1/2 एकड़ भूमि को अपने पुत्र अनावेदक फैजल हसन फिरदौसी पिता स्व0 नुरूल हसन फिरदौसी जाति मुसलमान निवासी एम.जी. रोड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में पंजीबद्व दान पत्र निष्पादित करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय -सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर काई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./........../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिकागण श्रीमती पिंकी सिंह पत्नि स्व0 कमल प्रताप सिंह, नंदनी सिंह आ स्व0 कमल प्रताप सिंह, निवासी ग्राम सकालो, थाना गांधीनगर, तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिकागण के पति/पिता स्व0 कमल प्रताप सिंह एवं अनावेदक अंचल प्रताप सिंह के संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं. 01, मोहल्ला-शीतलावार्ड, खसरा नं. 3286/1 रकबा 0.11 1/2 एकड भूमि है। उक्त भू-खण्ड के सहखातेदार अर्थात आवेदिकागण के पति/पिता कमल प्रताप सिंह की मृत्यु दिनांक 26.05.2024 को हो गई है। अतः आवेदिकागण द्वारा फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूखण्ड के नजूल अभिलेखों से अपने पिता का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नामांतरण करने बावत भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा /आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक -19/11/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

शिक्षकों का नेटवर्क मार्केटिंग में शामिल होना, बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

मो. जिशान खान
प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। प्रतापपुर विकासखंड (जिला सूरजपुर) में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक गंभीर संकट सामने आया है। यहां के कई शिक्षक अपनी मुख्य जिम्मेदारी, यानी बच्चों की पढ़ाई छोड़कर, नेटवर्क मार्केटिंग में संलिप्त हो गए हैं। यह मामला न केवल शिक्षा क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार, प्रतापपुर के स्कूलों में पढ़ाने वाले कुछ शिक्षक अब कक्षाओं में न जाकर नेटवर्क मार्केटिंग से जुड़ी सेमिनारों और मीटिंग्स में हिस्सा ले रहे हैं। इनका उद्देश्य अब केवल पैसे कमाना और इन योजनाओं को बढ़ावा देना हो गया है, जबकि बच्चों की पढ़ाई की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। इस अव्यवस्था का सबसे बड़ा असर विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास पर पड़ रहा है, और शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है।

बलरामपुर में 10 करोड़ का फर्जीवाड़ा और सरगुजा में दर्जनों मामले

बलरामपुर जिले के चलगली थाना क्षेत्र में भी हाल ही में एक नेटवर्क मार्केटिंग फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसमें लगभग 10 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। यह मामला इलाके में हड़कंप मचा चुका है। सरगुजा संभाग में भी इस प्रकार के दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं, जहां शिक्षक और सरकारी कर्मचारी इस तरह की योजनाओं में फंसे हुए हैं। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा और अन्य सरकारी विभागों में इस प्रकार की अव्यवस्था का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे सरकारी कामकाज और कर्मचारियों की निष्ठा पर सवाल उठ रहे हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर असर

यह घटनाएं न केवल सरकारी स्कूलों की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और भविष्य के लिए भी खतरा बन रही हैं। जब शिक्षक अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर अवैध और गलत कामों में लिप्त होंगे, तो इससे छात्रों का मानसिक विकास प्रभावित होगा और उनकी शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता

इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए शिक्षा विभाग और प्रशासन को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही, सरकारी विभागों में ऐसे फर्जीवाड़े और अव्यवस्था पर निगरानी रखनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें

अगर समय रहते इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह बच्चों की शिक्षा के भविष्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है। इसके साथ ही, पूरे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं। सरगुजा संभाग और अन्य जिलों में ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या से यह स्पष्ट होता है कि इस पर तत्काल नियंत्रण जरूरी है।

जांच के बाद होगी कड़ी कार्रवाई जिला शिक्षा अधिकारी

इस संबंध पर चर्चा करने पर जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल ने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है। शिक्षकों द्वारा विद्यालयीन समय में नेटवर्क मार्केटिंग एवं चिटफंड कंपनी से जुड़कर उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री का व्यवसाय करने वाले शिक्षकों तथा संकुल समन्वयकों के बारे में जानकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी से मांगई जा रही है जिससे शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है एवं विभाग की छवि धुमिल हो रही है। अध्यापन कार्य के अतिरिक्त अन्य व्यवसाय किया जाना छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के उपनियम 3 तथा उपनियम 16 के विपरीत है। ऐसा कोई शिक्षक किसी प्रकार के व्यवसाय में संलग्न हो तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगा।

बाल विवाह की रोकथाम और दुष्परिणामों के प्रति प्राथमिकता से समुदाय को करें जागरूक-जयवर्धन

0 बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का हुआ शुभारंभ
0 अभियान' के सफल क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिले में इससे सफल क्रियान्वयन व सम्पादन हो इसके लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम और इसके दुष्परिणामों के प्रति समुदाय को जागरूक करना था। बाल विवाह से संबंधित कानून व रोकथाम के विषय पर जानकारी देने व चर्चा हेतु युनिसेफ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती चेतना देसाई व राज्य सलाहकार अभिषेक त्रिपाठी बैठक में उपस्थित हुए थे। बाल विवाह कुरूति पर अंकुश लगाने के लिए घटनाओं की प्रभावी रिपोर्टिंग व जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वृहद चर्चा की गई। कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से युद्ध स्तर पर कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम कराने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होने बाल विवाह की रोकथाम और इसके दुष्परिणामों के प्रति समुदाय को जागरूक करने की बात को प्राथमिकता देने की बात कहीं।जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और ग्राम पंचायतों में विशेष बैठकें आयोजित होंगी। इन बैठकों के माध्यम से समुदाय को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन और अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जाएगा।जिला बाल

संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के प्रमुख लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों को इसमें शामिल करने की योजना है। बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और पंचायतों के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन और महिला बाल विकास विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल एक कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल, डी डी पंचायत ऋषभ सिंह, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम, यूनिसेफ़ के जिला समन्वयक प्रथमेश मानेकर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महाविद्यालय में उद्यमिता जागरूकता शिविर स्वालंबन का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महाविद्यालय, भैयाथान में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को नवीन उद्योग स्थापना एवं स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहन एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर स्वालंबन का आयोजन जिला प्रशासन के तत्वाधान में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना और नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के संबंध में जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा विस्तार से दिया गया । इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सूरजपुर के प्रबंधक अवधेश कुशवाहा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30, नवीन उद्योग स्थापना, लायसेंसिंग प्रकिया और विभागीय सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया गया। चार्टर्ड एकाउण्टेंट हिमांशु अग्रवाल द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, आयकर एवं वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत जानकारी दी गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार सतपुते द्वारा योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार स्थापना हेतु छात्र-छात्राओं प्रोत्साहित किया गया। भारतीय स्टेट बैंक, भैयाथान के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा बैंक ऋण प्रक्रिया की जानकारी दिया गया। इसके अलावा गोपाल कृष्ण अग्रवाल एवं भोलेनाथ अग्रवाल सफल उद्यमी द्वारा उद्योग को सफल संचालन के लिए टिप्स दिये। इस स्वावलंबन शिविर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के सहायक प्रबंधक, संजय लकड़ा, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक हुलेश मांझी, अर्पण कुमार, चोलसाय चेरवा, रामकुमार, डॉ0 रविशंकर चौहान, अजय कुमार एवं अतिथि व्याख्याता कमलेश, श्री हमीसिंह, रामसाय, श्रवण कुमार, आशा किरण तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया।

संगठित होकर उत्कृष्टता व गुणवत्ता के साथ कार्य करने प्रतिबद्ध है जिला प्रशासन : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन व एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर की उपस्थिति में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों से रूबरू हुए अधिकारी द्वय ने जिले के द्वारा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन एक टीम के रूप में संगठित होकर उत्कृष्टता व गुणवत्ता के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और शासन के मंशानुरूप राज्य व केंद्र शासन के योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए

पत्रकरो से रुबरु हुए कलेक्टर व एसपी

योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहा है। जिले के विकास के लिए क्या-क्या सकारात्मक कदम उठाये जा सकते हैं इस पर गहन चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने वर्तमान में चल रही धान खरीदी व नगरीय निकाय तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न करना अपनी पहली प्राथमिकता बताया। इसके साथ ही उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रो की जानकारी लेते हुए दुरस्थ अंचल चांदनी बिहारपुर व प्रेमनगर क्षेत्र के लिए बेहतर तरीके से काम करने की आवश्यकता बताया। पुलिस अधीक्षक ने जिले में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए काम करने की बात कही। अधिकारी द्वय ने मीडिया और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया।

बिहारपुर महाविद्यालय के सात दिवसीय विशेष शिविर का कांतिपुर में आयोजन

नशा मुक्ति, स्वच्छता व स्वास्थ्य के साथ चलाएं जायेगें विभिन्न जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के बिहारपुर महाविद्यालय का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन बुधवार से शा.पूर्व माध्यमिक शाला कांतिपुर में किया गया उक्त शिविर 2 दिसंबर तक चलेगा। आयोजित शिविर का शुभारंभ सरपंच मनोहर सिंह के मुख्य आतिथ्य, प्रधान पाठक भागवत सिंह धुर्वे और उप सरपंच रामप्रताप विश्वकर्मा के विशिष्ट आतिथ्य, महाविद्यालय के प्राचार्य जे आर पैकरा की अध्यक्षता में किया गया। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के संचालन ,उनके देखरेख और दिशा निर्देश में शिविर का संचालन होगा। सर्वप्रथम माँ सरस्वती और युवा आईकॉन विवेकानंद जी की छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्री जायसवाल के द्वारा सात दिवसीय शिविर का सूक्ष्म प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, तत्पश्चात प्राचार्य के द्वारा अपने उद्बोधन में सात दिवसीय विशेष शिविर के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किया गया। इसी कड़ी में सरपंच द्वारा रासेयो के सात दिवसीय विशेष विशेष शिविर अपने ग्राम पंचायत के विद्यालय में होने से प्रफुल्लित महसूस करते हुए अपना विचार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथियों में बिहारपुर मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक श्री मल्होत्रा, आनंद पाठक, रामेंद्र पाठक उपस्थित रहे। सभी ने इस शिविर को लेकर उत्साह जताते हुए ग्रामीण परिवेश में राष्ट्र सेवा के लिऐ छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके शिविर के सफल संचालन के लिए कार्यक्रम अधिकारी श्री जायसवाल को शुभकामनाएं देते हुए अपने-अपने विचार रखे, इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं के अलावा महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं तथा कांतिपुर के ग्रामीण उपस्थित रहे । इस सात दिवसीय विशेष शिविर में सभी छात्र-छात्राएं आवासीय रूप में रहकर गांव में जा जाकर प्रभात फेरी के माध्यम से आम जनता को जागरूक करेंगे नशा मुक्ति, स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी अभियान को आगे बढ़ाएंगे और भ्रूण हत्या न हो, के बारे में बताएंगे, इन्हीं सब उद्देश्यों को लेकर के छात्र-छात्राओं में स्वावलंबन की भावना को प्रेरित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर 7 दिन रहेगा।

वर्षों बाद भी रिकार्ड की त्रुटि सुधार न होने से लोग परेशान

राजस्व सचिव से मुलाकात करके प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रशासनिक त्रुटि की वजह से ग्राम पंचायत रविंद्रनगर व संजयनगर के राजस्व रिकार्ड में हुए त्रुटि का सुधार वर्षों बाद भी न होने से ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा आमजन की समस्या से निजात दिलाए जाने हेतु कमेटी गठित करके बंदोबस्त रिकार्ड में सुधार कराए जाने के निर्देश तत्कालीन कलेक्टर को दिए थे लेकिन शासन के निर्देश कागजों में ही सिमट कर रह गए। परेशान ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज रायपुर में राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत से मुलाकात करके न्याय की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि सूरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत संजयनगर व रविंद्रनगर के राजस्व रिकार्ड में बंदोबस्त त्रुटि होने की वजह से ग्रामीणों को वर्षों से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त रिकार्ड में सुधार कराए जाने की मांग को लेकर वर्षों से शासन-प्रशासन स्तर पर गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन आज तक उक्त गंभीर समस्या से लोगों को निजात नहीं मिल सकी है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा सुधार कार्य हेतु सर्वे कराए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिस पर रविंद्रनगर पंचायत में महीने भर अभियान चलाकर सर्वे कार्य पूर्ण भी किया गया लेकिन उसके बाद उक्त निर्देश भी केवल कागजी कोरमपूर्ति बनकर रह गई है। इसके पश्चात ग्रामीणों का एक प्रतिनिधि मंडल भाजपा शिवनंदनपुर मंडल अध्यक्ष देवधन राम बिंझिया व मंडल महामंत्री संदीप सरकार के नेतृत्व में बुधवार को रायपुर में राजस्व विभाग के सचिव से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में ग्रामीणों द्वारा उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत संजयनगर व रविन्द्रनगर में लोगों को पलायन पुनर्वास भूमि प्राप्त है एवं भूमि स्वामी के नाम पर पट्टा भी दिया गया है। प्राप्त भूमि पर किसान अपना अपना घर बनाकर निवासरत रहते हुए वर्षों से कृषि कार्य करके अपने परिवार का भरन पोषण करते आ रहे हैं। यहां पर जिस भूमि पर जो किसान काबिज हैं उक्त भूमि का नक्शा में अन्य दूसरे कृषक के नाम सभी लोगों के दर्ज हैं। जिस वजह से यहां पर आएदिन विवाद की स्थिति निर्मित होती रहती है। मामले में राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि उक्त प्रक्रिया चल रही है। कार्य को पूर्ण होने में थोड़ा समय लग सकता है।

गठित की गई थी टीम

आयुक्त भू अभिलेख रायपुर द्वारा 2 मई 2022 को ग्राम पंचायत संजयनगर व रविंद्रनगर के राजस्व त्रुटि सुधार कराए जाने हेतु कलेक्टर सूरजपुर भू अभिलेख शाखा को निर्देशित किया गया था। मामले में कलेक्टर द्वारा 28 जून 2022 को एक आदेश जारी करके तत्कालीन लटोरी नायब तहसीलदार सुशील कुमार शुक्ला, राजस्व निरीक्षक शिव शंकर ठाकुर, भरत प्रसाद व पटवारी द्वय संतोष भानिया, लिवांश टोप्पो की संयुक्त टीम को सर्वे करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए थे, जिस पर गठित टीम द्वारा कलेक्टर को पुराना राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई थी, जिसके उपलब्ध नहीं होने की वजह से मामला खटाई में पड़ गया है।

सोनगरा व केशवपुर स्कूल में बच्चो को शौचालय के उपयोग एवं स्वच्छता हेतु किया गया प्रेरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के निर्देशानुसार विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर ग्राम सोनगरा के मिडिल स्कूल प्रांगण में छात्र-छात्राओं को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चश्मा बना कर शौचालय के शत प्रतिशत उपयोग करने और साफ सफाई व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही व्यक्तिगत शौचालय एवं सामुदायिक शौचालय का संचालन सही तरीके से उपयोग करने का तरीका भी बताया गया। खाना खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने हेतु बताया गया। घर-घर कचरा संग्रहण हेतु स्वच्छा ग्राही दीदी को स्वच्छ भारत मिशन के क्लस्टर कोऑर्डिनेटर संजय जायसवाल के द्वारा यह प्रेरित किया गया कि आप अपने ग्राम पंचायत के अंदर आने वाले सभी घरों में कचरा कलेक्शन का काम करना है इस कचरा कलेक्शन करने से महिलाएं प्रेरित हुए और ज्यादा से ज्यादा घरों में कचरा संग्रहण का काम किया जाएगा जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सके स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम बनाने में अपना बहुमूल्य समय देकर स्वच्छता श्रम दान कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। साथ ही जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत केशवपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के द्वारा सामूहिक "हाथ धुलाई" का कार्यक्रम किया गया। जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक गण व स्वच्छ भारत मिशन से कलस्टर समन्वयक शामिल थे। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत शौचालय का शत प्रतिशत उपयोग करने और शौच से पहले अच्छे से साबुन से हाथ धोने और खाना खाने से पहले हाथ धोने ,साफ़ सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। साथ में सामुदायिक स्वच्छता पर हर घर शौचालय घर घर शौचालय की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी गई।

एकलव्य विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आवेदन 10 तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु 10 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरा जा सकता है। ऑनलाइन भरे गए फॉर्म में त्रुटि सुधार हेतु 11 से 19 दिसम्बर तक ही किया जाएगा। चयन परीक्षा का आयोजन 19 जनवरी 2025 को निर्धारित है। एकलव्य विद्यालयों के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विभागीय वेबसाईट पर अवलोकन किया जा सकता है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

नगर निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत और पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने बताया कि चुनाव संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला प्रभारी अशोक वाडेगावकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दी गई है। जाबो कार्यक्रम, मतगणना और अन्य चुनावी व्यवस्थाओं के लिए नितेश उपाध्याय परियोजना निदेशक डीआरडीए को जिला प्रभारी बनाया गया है। नगरीय क्षेत्र के जाबो कार्यक्रम की जिम्मेदारी राम प्रसाद आचला नगर निगम कमिश्नर को सौंपी गई है। शिकायत सेल और नियंत्रण कक्ष के लिए शैलेश गुप्ता सहायक अभियंता को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन कर्तव्य, मतपत्र, मानव संसाधन, रिजर्व दल, सामग्री वितरण और वापसी,

निर्वाचन सामग्री, प्रतिवेदन तथा प्रशिक्षण का प्रभार अजय मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है।

आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का जिला प्रभार शुभम बंसल जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को दिया गया है। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति और मीडिया संबंधी कार्यों के लिए लोकेश्वर सिंह जिला जनसंपर्क अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। परिवहन योजना एवं रूट चार्ट का प्रभार दयानंद तिग्गा जिला खनिज अधिकारी को सौंपा गया है। कार्मिक कल्याण कार्य के लिए रमेश सिन्हा उपसंचालक समाज कल्याण विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। मतपेटी का कार्य सुजीत श्रीवास्तव जिला प्रभारी क्रेडा विभाग को सौंपा गया है। मतपत्र मुद्रण, प्रूफ रीडिंग और निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग का दायित्व चंद्रशेखर सराफ जिला कोषालय अधिकारी को दिया गया है। प्रेक्षक के तौर पर नीरज अनुविभागीय अधिकारी वन को और चिकित्सा सहायता के लिए अविनाश खरे सीएमएचओ को जिम्मेदारी दी गई है।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तीन सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और सात सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। जनपद पंचायत खड़गवां में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दो सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और चार सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। वहीं जनपद पंचायत भरतपुर में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दो सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और ग्यारह सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। अन्य निर्वाचन व्यवस्थाओं के लिए पंचायत निर्वाचन क्षेत्र में 48 और नगरीय निकाय क्षेत्र में 25 रिजर्व सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। सेक्टर अधिकारी और मास्टर ट्रेनर के रूप में 20 अधिकारी नियुक्त होंगे। एमसीएमसी दल एक और एमसीसी दल छह गठित करने का निर्णय लिया गया है। सामग्री वितरण और वापसी दल के लिए त्रिस्तरीय पंचायत में 34 तथा नगरीय निकाय में 12 रिजर्व दल बनाए जाएंगे। निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग के लिए तीन दल और 12 डेटा एंट्री ऑपरेटर नियुक्त किए जाएंगे। कलेक्टर ने मतदान केंद्र, सहायक मतदान केंद्र, स्थाई और अस्थाई मतदान केंद्रों की पहचान के लिए निर्देश दिए हैं। मतदान केंद्रों के भवनों के स्वरूप, कच्चे और पक्के मकानों की स्थिति, संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी एकत्र करने को कहा गया है। स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष और मतगणना स्थल के संबंध में भी निर्देश दिए गए। मतदान केंद्रों पर रैंप, शौचालय और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही नेटवर्क कवरेज की स्थिति की जानकारी भी प्रस्तुत करने को कहा गया। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों के तहत पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी और अन्य कर्मियों की नियुक्ति के निर्देश दिए गए। इस वर्ष 2024 में चिरमिरी नगर निगम, मनेंद्रगढ़ नगरपालिका परिषद, झगराखांड, नई लेदरी, खोंगापानी और जनकपुर नगर पंचायतों में चुनाव होंगे। इन सभी क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए । इस बैठक में उप निर्वाचन अधिकारी सी.एस. पैकरा, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, सर्व एसडीएम, नगर निगम आयुक्त, सर्व जनपद सीईओ, नगर पंचायत सीएमओ सहित निर्वाचन से संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था पर कड़ी कार्रवाई

डीईओ ने सात शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के प्रयास तेज हो गए हैं। इसी क्रम में 26 नवंबर को जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने जिले के कई स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में गंभीर खामियां पाए जाने पर 7 शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की उपस्थिति पंजी, छात्रों की उपस्थिति और पढ़ाई की गुणवत्ता का गहन मूल्यांकन किया। श्री गुप्ता ने बच्चों को दी जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, किचन की साफ-सफाई का भी जायजा लिए। इस दौरान बैकुंठपुर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला पंडोपारा और महोरा स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में शिक्षकों द्वारा अपने दायित्वों की अनदेखी के प्रमाण मिले। सदन कुमार सिंह, श्रीमती मंजुलता बरवा, रितेंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार निषाद, श्रीमती बेबी सोनवानी, श्रीमती नीला सोनवानी, और श्रीमती पुष्पा भगत पर पढ़ाई की गुणवत्ता में कमी, छात्रों की उपस्थिति में गिरावट और शैक्षणिक सुधारों के प्रति

उदासीनता बरतने की वजह से कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। इन शिक्षकों को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के उल्लंघन का दोषी मानते हुए तीन दिनों के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है।

समय सीमा में जवाब न मिलने या जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कदम छात्रों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने और शिक्षकों को अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदार बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बढ़ती ठंड के चलते स्कूलों का टाइम टेबल में हुआ बदलाव

एमसीबी। कलेक्टर के निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण छात्रहित को ध्यान में रखते हुए 27 नवम्बर 2024 से जिले के समस्त शालाओं (शासकीय/ अशासकीय/ अनुदान प्राप्त शालाओं) के संचालन हेतु समय निर्धारित किया है। दो पाली में संचालित होने वाली शालाओं में प्रथम पाली सोमवार से शनिवार प्रातः 9 बजे से 12.30 बजे तक तथा द्वितीय पाली सोमवार से शनिवार अपराह्न 12.45 बजे से 4.15 बजे तक संचालित होगी। एक पाली में संचालित होने वाली शालाएं सोमवार से शनिवार प्रातः 10.30 बजे से 3.30 बजे तक संचालित होंगी।

आगामी 15 दिसंबर तक लक्ष्य पूरा करने के लिए जुट जाएं: श्रीमती चंदन त्रिपाठी

कलेक्टर कोरिया ने की प्रधानमंत्री आवास योजना की ग्रामवार समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना में गत वर्ष तक स्वीकृत किए गए समस्त आवासों को आगामी 15 दिसंबर तक पूरा करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत सचिव को हर संभव प्रयास करना होगा। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रत्येक हितग्राही को पक्के मकान बनाने में आप सभी जिस तरह संसाधन जुटाने में मदद कर रहे हैं उसी का परिणाम है कि एक सप्ताह में कोरिया जिले में 170 से ज्यादा हितग्राहियों को पक्के मकान में रहने का सपना पूरा हुआ है। इसी गति को निरंतर बनाए रखना होगा जिससे सभी पात्र हितग्राही जल्द आवास योजना ग्रामीण का पूरा लाभ ले सकेंगे। जिला पंचायत कोरिया के मंथन कक्ष में बुधवार को कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति पर ग्राम वार

समीक्षा करते हुए अच्छा कार्य करने वाले ग्राम पंचायत सचिवों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। आवास योजना में समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सोनहत और बैकुंठपुर जनपद में निर्धारित लक्ष्य अनुसार ग्राम पंचायत वार आवास योजना में प्रगति पर जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों के पैसे अन्य कार्यों में खर्च होने के कारण कार्य कराने में दिक्कत आ रही है उनसे ग्राम पंचायत सचिव व्यक्तिगत संपर्क करें और धान की फसल से मिलने वाली रकम से आवास पूरा कराने में मदद करें। आगामी दिसंबर में हर हाल में प्रत्येक हितग्राही के आवास पूर्ण कराने पर बल देते हुए कलेक्टर कोरिया श्रीमती त्रिपाठी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिव और तकनीकी सहायकों को जिम्मेदारी से आगामी पंचायत चुनाव के पहले ही पुराने स्वीकृति के सभी आवास आगामी पंद्रह दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने आगामी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत हितग्राहियों के आवास पूर्ण करने के लिए निर्माण स्तर पर समीक्षा करने के निर्देश दिए। इस बैठक में सभी तकनीकी सहायक, प्रधानमंत्री आवास योजना के जिला और जनपद स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में संचालित जनक वृद्धाश्रम बना बेसहारों का सहारा

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बेसहारा और असहाय वृद्धजनों को सहारा मिले इस उददेश्य से जिले में समाज कल्याण विभाग के तत्वाधन में छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा संचालित जनक वृद्धाश्रम बांकीटोली में संचालित हैं। जहां वृद्धजनों और बेसहारो को सहारा मिल रहा है। पत्थलगांव के ग्राम बांसपारा निवासी 60 वर्षीय श्रीमती सुलोचनी मिंज और 78 वर्षीय तिफिल एक्का को जनक वृद्धाश्रम में संरक्षण प्रदान किया गया है। जनक वृद्धाश्रम बांकीटोली से प्राप्त जानकारी अनुसार बांस पारा निवासी श्रीमती सुलोचनी मिंज एवं तिफिल एक्का झोपड़ी में अकेला रहते थे। जिनका शारीरिक एवं आर्थिक स्थिति कमजोर हैं। सुरस्ती मिंज द्वारा वृद्धाश्रम के कर्मचारी को सूचना देने पर तत्काल निवास पते में जाकर सुलोचनी एवं तिफिल का जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद वृद्धाश्रम में संरक्षण प्रदान किया गया है।

माइक्रो एटीएम सेवा ने बदली तस्वीर, किसानों के बढ़े कदम आत्मनिर्भरता की ओर

किसानों ने कहा विष्णु सरकार कृषकों की हित में लेते हैं निर्णय

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले के धान उपार्जन केंद्रों में इस बार की धान खरीदी प्रक्रिया किसानों के लिए एक सुखद अनुभव साबित हो रही है। माइक्रो एटीएम सेवा के माध्यम से किसानों को अपनी राशि निकालने में सुविधा मिल रही है, जिससे न केवल उनका समय बच रहा है बल्कि वे वित्तीय लेनदेन में आत्मनिर्भर भी हो रहे हैं। गेजी निवासी किसान नीलांचल ने बताया, पहले बैंकों की लंबी कतारों में समय खराब होता था, लेकिन अब उपार्जन केंद्र पर ही जरूरत की राशि तुरंत मिल जाती है। यह सुविधा बेहद लाभदायक है। रनई निवासी किसान राम लखन ने कहा, धान खरीदी केंद्र पर यह सेवा समय और श्रम दोनों की बचत करती है। इससे हमारा ध्यान अन्य जरूरी कार्यों पर लग पाता है।

किसानों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सरकार हमेशा किसानों के हित में निर्णय लेती है। इस साल 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ है। धान उपार्जन केंद्रों पर उचित व्यवस्थाओं ने किसानों को और संतोषजनक अनुभव दिया है। सोनहत निवासी किसान खरबंदा सिंह ने कहा, इस साल धान खरीदी प्रक्रिया काफी सुव्यवस्थित है। प्रशासन ने माइक्रो एटीएम सेवा देकर हमारी जिंदगी आसान बना दी है। जिला प्रशासन ने धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी है। माइक्रो एटीएम सेवा के अलावा अन्य व्यवस्थाओं को भी सुदृढ़ किया गया है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। किसानों ने सरकार और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। वे उम्मीद करते हैं कि भविष्य में भी इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे।

किरण अगरिया की जल जीवन मिशन ने बदली जिंदगी

विष्णुदेव साय की पहल से ग्रामीणों को मिला स्वच्छ जल का उपहार

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के ग्राम पंचायत पारा डोल के अंतर्गत आने वाला करही पारा बस्ती में हर घर तक जल जीवन मिशन के तहत नल जल को पहुंचाने का सपना साकार हो चुका है। जल जीवन मिशन के तहत इस बस्ती के लोगों को अब स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की सुविधा मिल रही है। इस ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल से ग्रामीणों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है, और इसकी एक मिसाल ग्राम पंचायत पारा डोल की निवासी किरण अगरिया की प्रेरणादायक कहानी है।

किरण अगरिया एक सामान्य ग्रामीण महिला हैं, जिनका जीवन कभी पानी के लिए संघर्ष में बीत रहा था। अपने परिवार के लिए पानी लाने उन्हें लंबी दूरी तय कर खेतों के कुएं तक जाना पड़ता था। यह प्रक्रिया न केवल उनके कीमती समय को बर्बाद करता था, बल्कि उनके परिवार के स्वास्थ्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू हुए जल जीवन मिशन से किरण और उनके परिवार की जिंदगी बदल गई है। अब किरण के घर में नल से स्वच्छ और सुरक्षित पानी आता है। इस बदलाव ने न केवल उनके समय की बचत की है, बल्कि उनके परिवार के स्वास्थ्य में भी बड़ा सुधार किया है। किरण बताती हैं कि अब वह समय, जो पानी लाने में व्यर्थ होता था, अब वह नहीं होता है अब कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताती हैं और खेती के अलावा अन्य कामों में भी ध्यान लगाती हैं।

ग्राम पंचायत पारा डोल की करही पारा बस्ती में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कुल 127 घरों में से 118 घरों में नल कनेक्शन लगकर पूर्ण हो चुका हैं। इसके साथ ही शासन ने इन कनेक्शनों का सत्यापन भी सुनिश्चित किया है, जिससे अब निजी स्त्रोतों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो गई है।

किरण अगरिया ने जल जीवन मिशन की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आभार व्यक्त किया हैं। उनका कहना है कि इस योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन को न केवल आसान बनाया है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी दिया है। जल जीवन मिशन योजना केवल पानी की आपूर्ति तक सीमित नहीं है। बल्कि यह ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सुधार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है। किरण अगरिया की कहानी इस मिशन की अनगिनत सफलता की कहानियों में से एक है, जो यह साबित करती है कि जब सरकार और जनता मिलकर काम करते हैं, तो हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। जल जीवन मिशन ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही दिशा में किए गए प्रयासों से समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

अवैध धान भंडारण पर कार्रवाई, 30 क्विंटल धान जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने अवैध धान परिवहन, भण्डारण पर कार्यवाही के निर्देश दिए थे। 26 नवम्बर को इसका असर देखने को मिला। सम्बंधित विभाग द्वारा अवैध धान भंडारण पर कड़ी कार्रवाई करते हुए बैकुंठपुर के डबरीपारा स्थित आयुष शिवहरे के गोदाम से 30 क्विंटल धान (75 कट्टे) जब्त किया गया। मंडी अधिनियम का उल्लंघन पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान गोदाम में स्टॉक पंजी संधारित नहीं पाया गया और धान का भंडारण अवैध रूप से किया जा

रहा था। मंडी प्रशासन ने इसे मंडी अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए धान को जब्त कर लिया। जिला प्रशासन ने अवैध भंडारण और कालाबाजारी को रोकने के लिए नियमित जांच अभियान तेज कर दिए हैं। मंडी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध धान भंडारण की रोकथाम के लिए मंडी अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रावधानों का पालन किया जाएगा। प्रशासन ने किसानों और व्यापारियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और अवैध गतिविधियों से बचें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा